राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 18 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-291 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फुटबॉलर मेसी ने अनंत अंबानी का वनतारा देखा...

■ वाइल्डलाइफ सेंटर में आरती की

एजेंसी

गांधीनगर। वर्ल्ड फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी ने भारत के दौरे के दौरान अनंत अंबानी के वाइल्डलाइफ रेस्क्यू और संरक्षण केंद्र वनतारा का भी दौरा किया। इसकी तस्वीरें बुधवार रात जारी की गईं। यहां मेसी ने अनंत और उनकी पत्नी राधिका के साथ आरती की, भगवान की मूर्ति के सामने माथा टेका। मेसी ने एलिफेंट केयर सेंटर में दो साल पहले बचाई गई बीमार हाथी प्रतिमा के बच्चे मणिकलाल के साथ फुटबॉल खेली। इस मौके पर अनंत अंबानी और राधिका अंबानी ने एक शेर के शावक का नाम लियोनेल भी रखा। उनके साथ उनके क्लब के फुटबॉल खिलाड़ी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल भी मौजूद थे। वनतारा रिलायंस के जामनगर स्थित रिफाइनरी परिसर के 3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है। वनतारा जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस पूरे इलाके को घने जंगल की तरह विकसित किया गया है। वनतारा में 43 प्रजातियों के 2000 से अधिक जानवर हैं। आज यहां 200 हाथी, 300 से अधिक तेंदुए, बाघ, शेर, जगुआर, हिरण हैं।

राहुल गांधी जर्मनी पहुंचे

■ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन पहुंचे। एयरपोर्ट पर भारतीय विदेश कांग्रेस (IOC) के कार्यकताओं ने राहुल का स्वागत किया। राहुल आज बर्लिन में IOC कार्यक्रम में भाग लेंगे। IOC के अनुसार, राहुल गांधी भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे और यूरोप में पार्टी के विभिन्न अध्यक्षों से मिलकर NRI मुद्दों और पार्टी की विचारधारा फैलाने पर चर्चा करेंगे। राहुल 20 दिसंबर तक वहीं रहेंगे। उनका जर्मनी दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब देश में संसद का शीतकालीन सत्र (1 से 19 दिसंबर तक) चल रहा है। इसको लेकर भाजपा ने राहुल के जर्मनी दौरे पर निशाना साधा था। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह चौथा विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील-कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा था- राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 'LoP' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' होता है। वे लीडर ऑफ पार्टीइंग (पार्टी करने वाले नेता हैं)।

5 राज्यों-यूटी में एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

1 करोड़ से ज्यादा नाम कटे, ये कुल मतदाताओं का 7.6 प्रतिशत, सबसे ज्यादा 58 लाख बंगाल में

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के कराए गए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR, सामान्य शब्दों में वोटर वेरिफिकेशन) के बाद मंगलवार को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या में 7.6% की कमी दर्ज की गई है। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को रक्फकी घोषणा के समय जहां इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे, वहीं ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई है। यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। SIR का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही गोवा और लक्षद्वीप में भी आज वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के साथ एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और ऑलरेडी एनरोल्ड लिस्ट दी गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट निर्वाचन विभाग की

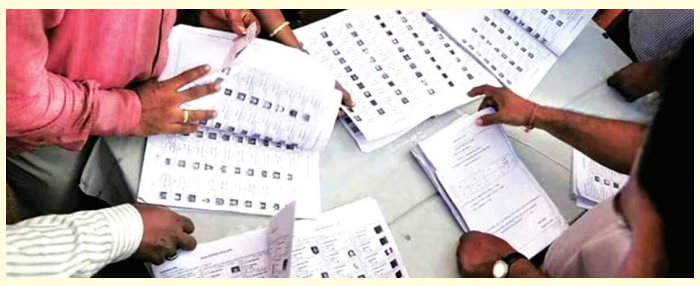

वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- जिन वोटर्स के नाम हटाए हैं, उन्हें अब कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। अगर उन्हें आपत्ति है तो वे दस्तावेज देकर दावा पेश कर सकते हैं। इसमें परमानेंट शिफ्ट वोटर्स, डेड वोटर्स, एब्सेंट और डुप्लीकेट वोटर के नाम हटाए गए हैं।पश्चिम बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं। इसके अलावा 12 लाख 20 हजार 38 वोटर लापता, 1 लाख 38 हजार 328 डुप्लीकेट या फर्जी, और 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाने के प्रस्ताव में हैं। राज्य के 294 असेंबली एरिया में से सबसे ज्यादा नाम कोलकाता के चौरंगी और कोलकाता पोर्ट जैसे क्षेत्रों में कटे हैं। चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में 74,553 नाम हटाए गए। यहां से विधायक तृणमूल कांग्रेस की नयना बंद्योपाध्याय हैं। कोलकाता पोर्ट से कुल 63,730 नाम हटाए गए। इसका प्रतिनिधित्व सीनियर मंत्री फिरहाद हकीम करते हैं। सबसे कम नाम बांकुरा जिले के कोतुलपुर से हटाए गए। यहां 5,678 नाम हटाए गए। गोवा-11.85 लाख मतदाताओं में से 10.84 लाख ने फॉर्म जमा किए।

इथियोपिया की संसद में पीएम मोदी बोले: यह शेरों की धरती

पीएम को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया गया, इसे पाने वाले पहले ग्लोबल लीडर

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह दुनिया की 18वीं संसद है, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने भाषण दिया। मोदी ने कहा कि मुझे इथियोपिया आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह शेरों की धरती है। यहां मुझे अपने घर जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि मेरा गृहराज्य गुजरात भी शेरों की धरती है। इससे पहले इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली ने मंगलवार को मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया था। वे द ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया पाने वाले पहले ग्लोबल लीडर बने। इस मौके पर पीएम ने कहा कि ये सम्मान मेरे लिए गौरव की बात है। मोदी मंगलवार को ही इथियोपिया पहुंचे थे। यह उनका पहला दौरा है। PM अबी अहमद अली ने नेशलन पैलेस में उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय

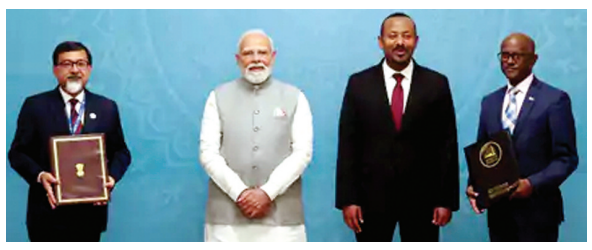

बैठक भी की। इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन खत्म करते ही सांसदों ने मोदी के लिए खड़े होकर तालियां बजाई। मोदी ने कहा, "कोविड-19 के दौरान भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाएं और टीके भेजे। इथियोपिया को 40 लाख से अधिक टीके की खुराक की आपूर्ति करना भारत के लिए गर्व की बात थी।" मोदी ने कहा, "भारत में हमने अपना पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है। यह लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंचने के तरीके में बदलाव लेकर आया है। आज भारत में लगभग हर आदमी पेमेंट, पहचान, सरकारी सुविधा के लिए डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है। दुनिया के आधे से ज्यादा डिजिटल पेमेंट भारत में हो रहे हैं। मोदी ने कहा, "भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े इंवेस्टर्स में से हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में 5 अरब डॉलर (45 हजार करोड़ रुपए) से अधिक का निवेश किया है। 75,000 से अधिक रोजगार पैदा किए हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का निर्णय लिया है।" मोदी ने कहा- भारत और इथियोपिया जलवायु और भावना दोनों में एक दूसरे के साथ विचार साझा करते हैं। लगभग 2000 साल पहले, हमारे पूर्वजों ने संबंध स्थापित किए थे। हिंद महासागर के पार व्यापारी मसालों और सोने का व्यापार करते थे, लेकिन वे केवल वस्तुओं का ही व्यापार नहीं करते थे, वे विचारों और जीवन शैली का भी आदान-प्रदान करते थे। अदीस और धोलेरा जैसे बंदरगाह न केवल व्यापार केंद्र थे, बल्कि सभ्यताओं के बीच सेतु भी थे। आधुनिक समय में, हमारा संबंध एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। 1941 में इथियोपिया की मुक्ति के लिए भारतीय सैनिकों ने इथियोपियाई लोगों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। पीएम मोदी ने इथियोपियाई प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को इथियोपिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे यह सम्मान भारत के लोगों की ओर से स्वीकार करते हैं। इथियोपिया को दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसका इतिहास इसके पहाड़ों, घाटियों और लोगों के दिलों में जीवित है।

ऋषिकेश में एक्सयूवी ट्रक में घुसी, 4 दोस्तों की हुई मौत

■ 120 की स्पीड, शव सीट से चिपके

एजेंसी

ऋषिकेश। उत्तराखंड के ऋषिकेश में तेज रफ्तार महिंद्रा XUV500 कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकराकर उसके नीचे घुस गई, जिससे मौके पर ही कार में सवार 4 दोस्तों की मौत हो गई। इनमें से एक की पत्नी प्रेग्नेंट है। कार हरिद्वार की ओर से आ रही थी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े। घटना से पहले का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कार इतनी स्पीड में थी कि सड़क पर चल रही एक गाय भी अनबैलेंस हो गई। इसी दौरान पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली ऋषिकेश के मुताबिक, 16 दिसंबर की रात ऋषिकेश कंट्रोल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि पीएनबी सिटी गेट के पास एक कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी है। सूचना मिलते ही कोतवाली ऋषिकेश, श्यामपुर चौकी और आईडीपीएल चौकी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। गाड़ी का नंबर UK 07FS 5587 और ट्रक का नंबर HR 58 A 9751 था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मांस के टुकड़े सड़क पर इधर-उधर बिखर गए थे। पुलिस ने मुताबिक, हादसा मनसा देवी मंदिर के रेलवे फाटक के पास हुआ। क्षत-विक्षत शव बाहर निकालने के लिए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मांस के टुकड़े सड़क पर इधर-उधर बिखर गए थे।

संसद के अंदर ई-सिगरेट पीने का मामला: भाजपा ने जारी किया संसद के अंदर का वीडियो

एजेंसी

नई दिल्ली। सदन के अंदर कथित तौर पर ई-सिगरेट पीने के लिए तृणमूल सांसद के खिलाफ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पिछले शुक्रवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई। अब इस मामले में भाजपा की ओर से बुधवार को टीएमसी सांसद के ई-सिगरेट पीने का वीडियो साझा किया गया है। जिसमें वह संसद के अंदर ई-सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि जिस टीएमसी सांसद पर

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने संसद के अंदर ई सिगरेट पीने का का आरोप लगाया है, वह कोई और नहीं बल्कि कीर्ति आजाद हैं। उनके जैसे लोगों के लिए नियम और कानून साफ तौर पर कोई मायने नहीं रखते। जरा हिम्मत तो देखिए, सदन में रहते हुए हथेली में ई-सिगरेट छिपा रखी थी! भाजपा नेता ने आगे लिखा कि हो सकता है कि धूम्रपान करना गैर-कानूनी न हो, लेकिन संसद में इसका इस्तेमाल करना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। ममता बनर्जी को अपने सांसद के इस गलत व्यवहार पर सफाई देनी चाहिए।

दिल्ली सरकार का एलान, मजदूरों को मिलेगा 10,000 रु. का मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर प्रतिबंधों वाला ग्रैप का चौथा चरण लागू है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, दिल्ली सरकार ने प्रभावित मजदूरों को आर्थिक सहायता देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंजीकृत मजदूरों को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाएगी। प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के मद्देनजर, ग्रैप के चौथे चरण के तहत कई कड़े कदम उठाए गए हैं। दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में 50%

कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) को अनिवार्य कर दिया है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि ग्रैप 4 लागू है और सरकार मजदूरों की मुश्किलों को समझती है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत मजदूरों को 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी, ताकि वे इस मुश्किल दौर में अपनी आजीविका चला सकें।

खड़गे बोले: नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ बदले के लिए

गांधी परिवार को सताया जा रहा, कोर्ट का फैसला मोदी-शाह के मुंह पर थप्पड़

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, लेकिन ये लोग (भाजपा) CBI और ED जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करके कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रहे हैं। खासकर गांधी परिवार को सताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा- इस मामले में कोई FIR दर्ज नहीं की गई। किसी की शिकायत मात्र से जांच शुरू कर दी। हमारा नारा है, सत्यमेव जयते। कल कोर्ट का फैसला न्याय के हित में आया है। कोर्ट का फैसला PM नरेंद्र मोदी और शाह के मुंह पर थप्पड़ जैसा है। दिल्ली के कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एऊ की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ED चार्जशीट में कांग्रेस नेताओं पर नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक कंपनी अखछ की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कब्जा करने का आरोप है। CBI ने सालों तक

FIR दर्ज नहीं की। ED भी लंबे समय ECIR दर्ज करने से बचती रही। फिर ED ने FIR के बिना ECIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी। ED ने प्रक्रिया उलट दी। पहले मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और बाद में FIR कराई। PMLA में पहले अपराध की जांच और फिर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच होती है। ED को CBI की तरह इंतजार करना चाहिए था। PMLA विशेष कानून है, इसे सामान्य आपराधिक कानून के प्रावधानों से विस्तारित नहीं कर सकते। प्रोसीड्स ऑफ क्राइम तभी लागू होंगे, जब आपराधिक गतिविधि का कानूनी अस्तित्व हो। FIR जांच प्रक्रिया की बुनियाद होती है। निजी शिकायत इस स्तर की जांच का विकल्प नहीं। निजी शिकायतकर्ता ED जैसी एजेंसी के साथ नोडल ऑफिसर की तरह समन्वय नहीं कर सकता। BJP नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया, राहुल और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन नाम की संस्था बनाई, जिसकी अधिकतर हिस्सेदारी गांधी परिवार के पास है। यंग इंडियन के जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली AJL का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ये सब दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। आरोप है मुताबिक, 2000 करोड़ रुपये की कंपनी को केवल 50 लाख रुपये में खरीदा गया। सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी। आरोपियों में से मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज की अब मौत हो चुकी है।

दुश्मन की पनडुब्बियों के लिए काल बनेंगे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर

नौसेना के बेडे में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को जल्द ही बड़ी ताकत मिलने वाली है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी बहुत जल्द MH-60 रोमियो मल्टीरोल हेलीकॉप्टरों के दूसरे स्क्वॉड्रन INAS 335 ऑस्प्रे को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल करेंगे। ये हेलीकॉप्टर दुश्मन की पनडुब्बियों को खोजने, समुद्री निगरानी, राहत-बचाव और लड़ाकू अभियानों में इस्तेमाल किए जाते हैं। भारतीय नौसेना ने ऐसे कुल 24 MH-60 रोमियो हेलीकॉप्टर अमेरिका से खरीदने का ऑर्डर दिया है।इन आधुनिक हेलीकॉप्टरों के शामिल होने से नौसेना की समुद्री सुरक्षा और निगरानी क्षमता और मजबूत होगी। खास तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की ताकत बढ़ेगी और किसी भी खतरे से निपटने में नौसेना को बड़ी मदद मिलेगी। बता दें कि एमएच 60 आर हेलीकॉप्टर्स एक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर है। नौसैन्य तौर पर इसे सबसे आधुनिक हेलीकॉप्टर्स में शुमार किया जाता है। समुद्री सीमा की निगरानी करने, मेरीटाइम गतिविधियों पर नजर रखने और पानी के भीतर के खतरों से निपटने में यह हेलीकॉप्टर बेहद अहम है। नौसेना आईएनएस

विक्रांत पर इस हेलीकॉप्टर की सफलतापूर्वक लैंडिंग करा चुकी है। इसकी मदद से भारत की हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थिति मजबूत हुई है। भारत ने साल 2020 में अमेरिका से लगभग 15,000 करोड़ रुपए में 24 एमएच-60आर हेलीकॉप्टर खरीदने का समझौता किया था। समुद्री इलाके के लिए इसे दुनिया का सबसे उपयुक्त और शक्तिशाली हेलीकॉप्टर माना जाता है। इसकी मारक क्षमता करीब 834 किलोमीटर है और वजन 689 किलो है। इसे विमानन क्षेत्र की आधुनिक और चुनौतीपूर्ण नई प्रौद्योगिकियों के साथ कई मिशनों में सहयोग देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह हेलीकॉप्टर हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी का भी पता लगाने में भी माहिर है। ये हेलीकॉप्टर ऐसे समय में भारतीय नौसेना में शामिल किए जा रहे हैं जब चीनी पनडुब्बियों और जंगी जहाजों के हिंद महासगर में घुसपैठ की रिपोर्टस मिलती रही हैं। एमएच-60आर मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर में निगरानी और हमला करने की कई गुणा अधिक क्षमता इसे खास बनाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपराधिक मामलों के निपटान में देरी अन्याय जैसा

भारत में आपराधिक मामलों के निर्णय में देरी न्याय प्रणाली में अन्तर्निहित है। यह देरी न्याय से वंचित करने के समान ही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा लम्बित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का एजेंडा तय करना प्रशंसनीय पहल है। इसके लिए बहु-आयामी रणनीति की जरूरत है।

डॉ. के.पी. सिंह

एक दिवंगत रेलवे टीटीई को 50 रुपये की रिश्वतखोरी के आरोप से मुक्त होने में 40 साल लग गए, जिसके कारण अपने जीवन-काल में उन्हें सरकारी नौकरी, सम्मान और मानसिक शांति खोने का दंश झेलना पड़ा था। मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन में तैनात लिपिक, जागेश्वर प्रसाद अवधिया को 100 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तारी के 39 वर्ष बाद सर्वोच्च न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया। वर्ष 2005 और 2006 के सबसे चौंकाने वाले निठारी सीरियल किलिंग मामलों में नवम्बर, 2025 में सर्वोच्च न्यायालय ने सुरेन्द्र कोली और पंढेर को भी दोषमुक्त कर दिया है। वस्तुतः भारत में आपराधिक मामलों के निर्णय में देरी आपराधिक न्याय प्रणाली में अन्तर्निहित है, जिसके परिणाम स्वरूप गिरफ्तार किए गए सभी लोगों में से 46 प्रतिशत से अधिक को विचाराधीन कैदियों के रूप में विभिन्न अवधियों के लिए जेलों में सजायाफ्ता दोषियों की तरह कष्ट सहने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में, भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा लम्बित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का एजेंडा तय करना प्रशंसनीय पहल है।

29 अक्तूबर, 2025 को भी आरोप निर्धारण में अत्यधिक देरी पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गम्भीर चिन्ता व्यक्त की गई थी और इस समस्या के समाधान के लिए समुचित दिशा-निर्देश निर्धारित करने हेतु भारत के महान्यायवादी और सॉलिसिटर जनरल से सहयोग मांगा था। आपराधिक मामलों के निपटान में देरी महज आकस्मिक नहीं, जिसे दिशा-निर्देश बनाकर रोका जा सके, वास्तव में यह उभरती दरपेश परिस्थितियों से निपटने में संस्थागत विफलता का मामला है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के प्रकाशन 'भारत में अपराध-2023' के अनुसार, पिछले वर्ष के लम्बित 2,45,84,673 मामलों में इस वर्ष 8,25,681 और आपराधिक मामलों की बढ़ोतरी हुई, जिसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2023 के अन्त तक देश में कुल 2,54,10,354 आपराधिक मामले निचली अदालतों में लम्बित हो गए। इस वर्ष न्यायालयों द्वारा 40,95,080 आपराधिक मामलों का ही निपटान सम्भव हो सका जबकि इस दौरान 49,20,771 नए मामले निर्णय के लिए अदालतों में प्राप्त हुए। इस प्रकार लम्बित मामलों की संख्या में प्रतिवर्ष औसतन 16 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। लम्बित आपराधिक मुकदमों के पीछे के कारणों को समझने के लिए गहन विश्लेषण और शोध की आवश्यकता है। इस बढ़ते रुझान को रोकने और लम्बित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है। इस रणनीति में निम्नलिखित आयाम शामिल किए जा सकते हैं :-

पहला, इस मिथक को तोड़ने की आवश्यकता है कि एक पुलिस थाना क्षेत्र के मुकदमों की सुनवाई के लिए एक ही ट्रायल कोर्ट हो सकता है। लम्बित मुकदमों की संख्या के आधार पर एक थाना क्षेत्र में एक से अधिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाने चाहिए। कहने की आवश्यकता नहीं कि प्रत्येक ट्रायल कोर्ट में ढांचागत सुविधाओं के साथ-साथ कम से कम तीन स्टेनोग्राफर और दो लोक अभियोजकों की तैनाती का प्रावधान हो। जब तक नियमित पीठासीन अधिकारियों, अभियोजकों, सचिवीय कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो जाती और अदालत कक्ष नहीं बन जाते, तब तक जिला जज को अदालतों के लिए भवन किराए पर लेने के लिए और अस्थायी अदालतों के संचालन हेतु सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्त करने का अधिकार दिया जा सकता है।

दूसरा, कई राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में एक ही न्यायाधीश आपराधिक और सिविल दोनों क्षेत्राधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं। यदि क्षेत्राधिकार विभाजित कर दिया जाए और विभिन्न प्रकृति के मामलों से निपटने के लिए अलग-अलग मजिस्ट्रेट/सिविल जज नियुक्त कर दिए जाएं तो इससे मुकदमों का शीघ्र निपटान सम्भव होगा। कुछ राज्यों में यह प्रथा लागू भी है।

तीसरा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 359 में संशोधन करके 'समझौता योग्य मामलों' की सूची में विस्तार किया जा सकता है और 3 वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय सभी अपराधों को समझौता योग्य अपराध घोषित करके उनका 'शीघ्र निपटान' सुनिश्चित किया जा सकता है। भारत में अपराध, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में केवल 3,03,802 छोटे आपराधिक मामलों में ही पक्षकारों द्वारा समझौता किया गया जो कुल पंजीकृत मामलों का लगभग एक प्रतिशत है।

चौथा, बीएनएसएस में प्रावधान है कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध और सामाजिक-आर्थिक अपराधों संबंधी मामलों को छोड़कर बाकी सभी अपराधों में जहां 7 वर्ष तक की सज़ा का प्रावधान है, पक्षकार आपसी सहमति से मुकदमों का निपटारा कर सकते हैं जिसे 'प्ली-बार्गेनिंग' की संज्ञा दी गई है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में केवल

42,318 मामलों का ही प्ली-बार्गेनिंग के माध्यम से निपटान किया जा सका था। इस प्रावधान में कुछ कमियां हैं। प्ली-बार्गेनिंग के सम्बन्धित प्रावधानों में संशोधन करके प्ली-बार्गेनिंग करने वाले अपराधी के सिर से अपराधी का टैग हटाया जा सकता है। अमेरिका में पहले से ही ही ऐसा प्रावधान है। इसके अलावा, पक्षकारों को यह भी छूट हो कि आपराधिक कार्यवाही के प्रत्येक चरण में वे प्ली-बार्गेनिंग की प्रक्रिया अपनाकर अपने मुकदमों का फैसला करवा सकें।

पांचवां, आपराधिक मामलों की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने को बीएनएसएस में कई प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनमें समयबद्ध आरोप तय करना, अदालत में गवाही के लिए विशेषज्ञों को बुलाने की गुंजाइश सीमित करना, पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से फैसले अपलोड करना, मुकदमों से पहले केस सम्पत्तियों का निपटान, रिमांड और साक्ष्य दर्ज करने को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का प्रयोग और 3 वर्ष तक की कैद की सज़ा वाले अपराधों के लिए 'सम्मरी ट्रायल' द्वारा सुनवाई का दायरा बढ़ाना शामिल है। इन कानूनी प्रावधानों का सही तरीके से प्रयोग सुनिश्चित करने और उनकी निगरानी के लिए एक तंत्र स्थापित करने की जरूरत है।

छठा, पर्याप्त संख्या में अभियोजकों, आशुलिपिकों और लिपिकों के न होने और अदालतों के काम के बोझ में दबे होने के कारण अनेक बार अदालतों में बुलाए गए गवाहों से दिन के समाप्त हो जाने तक पूछताछ नहीं हो पाती है। इस स्थिति में सुधार किया जा सकता है। सातवां, रिक्तियों की पूर्ति हेतु न्यायाधीशों, अभियोजकों और अदालती कर्मचारियों की वार्षिक आधार पर नियमित भर्तियां की जानी चाहिए और सम्बन्धित हाईकोर्ट इस सम्बन्ध में हुई प्रगति की निगरानी कर सकते हैं।

आठवां, सुप्रीम कोर्ट में लगभग 18 हजार से अधिक और हाईकोर्टों में 63 हजार से अधिक आपराधिक मामले लम्बित हैं। इन अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और मौजूदा रिक्तियों को भरने के अलावा इन लम्बित मामलों को कम करने का अन्य कोई उपाय प्रतीत नहीं होता है।

ब्रिटिश राजनेता विलियम इवार्ट ग्लैडस्टोन ने कहा था 'न्याय में देरी न्याय से इंकार करने के समान है।' एक कल्याणकारी राज्य अपने लोगों को समय पर न्याय से वंचित नहीं कर सकता, वरना विकास प्रक्रिया अराजकता का शिकार हो जाएगी। सरकारों को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को गम्भीरता से लेकर न्याय देने में हो रही देरी को रोकने के अभियान में स्वेच्छा से भागीदार बनना चाहिए।

लेखक हरियाणा के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

संपादकीय

अमीरी दे गरीब को त्रास

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली घातक पर्यावरण संकट झेल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट के निदान के लिये जो उपाय लागू किए जा रहे हैं, उसका खमियाजा गरीबों को झेलना पड़ रहा है। इस संकट की संवेदनशीलता को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवन शैली से उपजी मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। दरअसल, बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी। अदालत का कहना था कि दिल्ली एनसीआर में ग्रेप-4 लागू करने के चलते जो पाबंदियां लागू की गई हैं, उनका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को हो रहा है। इससे निर्माण कार्य बंद होने से हजारों गरीब मजदूरों का चूल्हा नहीं जल सकेगा। मुख्य न्यायाधीश ने इस बाबत कहा कि संपन्न लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें समस्या का पता है और इसलिए हम ऐसे आदेश पारित करेंगे, जिनका पालन किया जा सकेगा। कहा कि कुछ निर्देश ऐसे भी हैं, जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है। निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड-इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

(लेखक- ललित गर्ग)

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही।

आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है।

अनुशासन का पाठ

चिंतन मनन

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे? यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा।

हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है।

आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

विचार मंथन

एसआईआर में चुनाव आयोग ने अवैधानिक रूप से काटे लाखों नाम?

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया मानी जाती है। इसी प्रक्रिया में सभी संवैधानिक अधिकार केंद्रीय चुनाव आयोग के पास हैं। संविधान ने व्यापक अधिकार और जिम्मेदारियाँ चुनाव आयोग को सौंपी हैं। इसके लिए संविधान में अधिकार और चुनाव आयोग ने नियम बना रखे हैं। बिहार में वोटरलिस्ट की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने ना तो संविधान के प्रावधान को माना, ना ही अपने नियमों को माना। हालिया खुलासों ने चुनाव आयोग की भूमिका और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंडियन एक्सप्रेस मे प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार इस पूरी प्रक्रिया में संविधान कानून और नियमों की अनदेखी की गई है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो कार्यवाही और प्रक्रिया अपनाई गई है, उसको लेकर चुनाव की निष्पक्षता तथा चुनाव प्रक्रिया को लेकर जो संकेत मिले हैं, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंताजनक स्थिति है। संविधान एवं चुनाव आयोग का कानून स्पष्ट रूप से कहता है। किसी भी मतदाता की पात्रता पर संदेह होने की स्थिति में नोटिस जारी करने का अधिकार केवल स्थानीय चुनाव अधिकारी (ईआरओ) के पास है। बिहार की एसआईआर में लाखों नोटिस, सीधे केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से पोर्टल में वोटर के नाम पर डाले गए हैं, जबकि इसकी ईआरओ को कोई जानकारी नहीं थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने वह काम किया है, जिसका उसके पास अधिकार ही नहीं था। केंद्रीय चुनाव आयोग का यह कृत्य चुनाव आयोग की निष्पक्षता मतदाताओं के मतदान के अधिकार खत्म करने और लोकतंत्र में मतदाताओं और राजनीतिक दलों के अधिकारों पर एक तरह से कुठाराघात किया गया है। चुनाव आयोग ने विकेंद्रीकृत चुनाव प्रक्रिया का केंद्रीकरण कर एक तरह से मनमानी की है और संविधान एवं कानून का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है। संविधान ने नागरिकों के मतदान अधिकार को मौलिक अधिकारों में शामिल किया है। स्थानीय अधिकारियों के पास जो संवैधानिक अधिकार दिए गए थे उसे अवैध रूप से छीनने का काम भी चुनाव आयोग ने किया है। जो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करता है।

इस रिपोर्ट का सबसे गंभीर पहलू यह है, नोटिस उन मतदाताओं को भेजे गए, जिनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मौजूद थे। जिन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा किए थे। सभी नोटिसों में एक तरह की आपत्ति एवं कारण लिखे गये। लाखों मतदाताओं के लिए एक समान वजह होना संभव ही नहीं था। चुनाव आयोग में जमा किए गए जो दस्तावेज नोटिस मे अधूरे या नाकाफी बताए गए थे, उन नोटिसों पर तारीख तक दर्ज नहीं थी। यह पूरी प्रक्रिया घोर लापरवाही और गैर कानूनी थी। यह खुलासा इस बात का सुबूत है कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने सभी अधिकार अपने पास ले लिए हैं। जिसके कारण स्थानीय चुनाव अधिकारियों के अधिकारों का उपयोग भी चुनाव आयोग दिल्ली में बैठे-बैठे कर रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग का स्थानीय चुनाव अधिकारियों पर इस तरह की कार्रवाई सुनियोजित दबाव बनाने की कोशिश मानी जा रही है। जो आंकड़े और प्रक्रिया सामने आई है, वह चिंताजनक हैं। बिहार में एसआईआर के दौरान 68 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए थे, जिसके कारण वह मतदान नहीं कर पाए। मतदान का मौलिक अधिकार चुनाव आयोग द्वारा अवैधानिक रूप से खत्म कर दिया गया। केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से जो नोटिस जारी हुए थे। उसमें से करीब 10 हजार मामलों में चुनाव आयोग ने स्पष्ट कारण भी नहीं बताया। इससे स्पष्ट है कि जो नाम हटाए गए और जो नोटिस जारी किए गए दोनों ही अवैधानिक कृत्य हैं। चुनाव आयोग की यह कार्यवाही चुनाव आयोग की जवाबदेही, आयोग की पारदर्शिता तथा निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। केंद्रीय चुनाव आयोग यह नहीं बता पा रहा है, कि जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में थे, उनके नाम क्यों काटे गए। ऐसी स्थिति में आम मतदाता कैसे मतदान के अधिकार को सुरक्षित रख पाएंगे।

चुनाव आयोग के आयुक्तों और शीर्ष अधिकारियों के बयान और जमीनी हकीकत के बीच विरोधाभास साफ दिखाई दे रहा है। संविधान में उल्लेखित नियम और चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार मतदाता के खिलाफ शिकायत ओर जांच के पश्चात ही आयोग किसी का नाम जोड़ या घटा सकता है। चुनाव आयोग को स्वयं संज्ञान लेकर किसी भी मतदाता का नाम हटाने का अधिकार नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा केमिकल्स ने एनसीडी के माध्यम से 1,500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने निजी निर्गम के जरिए गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी ने बताया कि यह एनसीडी असुरक्षित, सूचीबद्ध और कर योग्य है। कंपनी ने 1,00,000 रुपए अंकित मूल्य वाले 1,50,000 एनसीडी जारी किए। इनकी अवधि 2 वर्ष 364 दिन है और कूपन दर 7.06 फीसदी तय की गई है। ये एनसीडी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ऋण खंड में सूचीबद्ध होंगे। एनसीडी निवेशकों को निश्चित और स्थिर रिटर्न देते हैं, जबकि कंपनी के लिए यह दीर्घकालिक फंड जुटाने का आसान साधन है। आवंटन को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गठित आंतरिक समिति ने मंजूरी दी।

रिलायंस कंज्यूमर ने 75 साल पुराने एसआईएल ब्रांड किया रीलॉन्च

बेंगलुरु रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीसीएल)ने 75 साल पुराने फूड ब्रांड एसआईएल को नए रूप में बाजार में पेश किया है। कंपनी ने एसआईएल के तहत नूडल्स, केचप और जैम जैसी प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की है। एसआईएल नूडल्स चार वैरिएंट्स–मसाला, आटा विद वेजीज़, कोरियन के-फायर और चाउ-चाउ–5 रुपए से शुरू होंगे। एसआईएल केचप असली टमाटरों से तैयार, बिना कृत्रिम रंग या सिंथेटिक सामग्री, कीमत 1 रुपए और एसआईएल मिक्स्ड फ्रूट जैम आठ फलों से बनी, 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम पैक में उपलब्ध, शुरुआती कीमत 22 रुपए है।

जापान का निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़ा

आयात केवल 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई

बैंकॉक जापान के निर्यात में नवंबर में सालाना आधार पर 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आयात केवल 1.3 फीसदी बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप देश का कुल व्यापार अधिशेष 322.2 अरब येन (लगभग 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। अमेरिका को निर्यात में लगभग 9 फीसदी की वृद्धि हुई। कार, रसायन और कैमरा निर्यात ने मशीनरी और इस्पात में गिरावट की भरपाई की। अमेरिका से आयात लगभग तीन गुना बढ़ गया, मुख्य रूप से तेल, अनाज और अन्य खाद्य उत्पाद। इसके कारण जापान का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष बढ़कर 739.8 अरब येन (4.7 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया, जो एक साल पहले की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। यूरोपीय संघ को निर्यात में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई। मुख्य कारण मशीनरी, वाहन और अन्य विनिर्मित वस्तुओं की बढ़ती मांग रही।

एटरनल के शेयर में 7 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी एटनल के शेयर में मंगलवार को इंट्रा-डे कारोबार के दौरान करीब 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर 285.70 रुपये तक गिर गया, जो पिछले सात महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। इससे पहले 2 मई 2025 को 5.3 और 7 अप्रैल 2025 को लगभग 10 फीसदी की गिरावट आई थी। 16 अक्टूबर 2025 को शेयर अपने 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर 368.40 रुपये पर था, जो लगभग 23 फीसदी है। बाजार में इस गिरावट की प्रमुख वजह सरकार द्वारा चार नए श्रम कानूनों को 21 नवंबर 2025 से लागू करने का निर्णय माना जा रहा है। ये कानून 2020 में पारित हुए थे लेकिन अब तक लागू नहीं हुए। नए नियमों के तहत गिग वर्कर्स के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड में योगदान और न्यूनतम वेतन तय करना अनिवार्य होगा।

ईलॉन मस्क की दौलत 600 अरब डॉलर के पार, बेजोस और जुकरबर्ग को पछाड़ा

स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्सएआई ने बढ़ाई मस्क की नेटवर्थ

नई दिल्ली

टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक ईलॉन मस्क एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति बढ़कर करीब 684.2 अरब डॉलर पहुंच गई। हाल के दिनों में उनकी नेटवर्थ में अचानक तेज उछाल देखने को मिला है, जिसका सबसे बड़ा कारण उनकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की तेजी से बढ़ती वैल्यू मानी जा रही है।

महज दो दिनों में उनकी कुल संपत्ति ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी निजी कंपनियों की वैल्यूएशन में आए बदलाव के कारण हुई है। मस्क की संपत्ति बढ़ने की सबसे बड़ी वजह स्पेसएक्स है। रिपोर्ट्स के अनुसार स्पेसएक्स अगले साल शेयर बाजार में उतर सकती है और इसकी वैल्यू करीब 800 अरब डॉलर आंकी जा रही है। ईलॉन मस्क की कंपनी में लगभग 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे उनकी निजी संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। ईलॉन मस्क की कुल संपत्ति अब कई बड़े अरबपतियों की संयुक्त दौलत से भी ज्यादा बताई जा रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग तीनों की कुल संपत्ति मिलाकर भी मस्क की दौलत से कम बताई जा रही है। ईलॉन मस्क के बाद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज करीब 252 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लैरी एलिसन 239.8 अरब डॉलर के साथ तीसरे, जबकि जेफ बेजोस 235.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं।

डॉलर में 9.5 फीसदी, रुपये में 6.3 फ़ीसदी की गिरावट

मुंबई डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 91.14 पैसे के स्तर तक पहुंच कर 91.1 पेसे पर बंद हुआ। यदि डॉलर इस तेजी के साथ नहीं गिरा हुआ होता। तो भारतीय रुपए की डॉलर के मुकाबले क्या हालत होती, इसे आसानी से समझा जा सकता है। करंसी मार्केट के विशेषज्ञों का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट कम है। जिसके कारण भारतीय मुद्रा डालर के मुकाबले अपना अस्तित्व बनाकर रख पा रही है। यदि डॉलर में इतनी तेज गिरावट नहीं होती, तो भारतीय रुपया वैश्विक स्तर पर कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहता। भारतीय रिजर्व बैंक रूप्ये को सपोर्ट नहीं कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अर्थव्यवस्था में नगदी के स्तर को बढ़ाने की नीति पर काम कर रहे हैं। भारत में रुपए का, डॉलर के मुकाबले कमजोर होना। इस बात का संकेत है। पेट्रोलियम, खाने के तेल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के दाम आने वाले महीनो में महंगे होंगे। जो भी समान भारत में आयात हो रहा है। उसमें 13 से 14 फ़ीसदी की तेजी देखने को मिलेगी। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 13 से 14 फ़ीसदी गिर चुके हैं। इसका लाभ भारत को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर मुद्रा की गिरावट के कारण भारत के रुपए को अप्रत्यक्ष रूप से अभी सपोर्ट जरूर मिल रहा है। यह सपोर्ट ज्यादा दिनों तक नही मिलेगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक संकेत हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, आयात के मुकाबले हमारा निर्यात बहुत कम है। व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशी मुद्रा को लेकर जो संकट भारत में पैदा हो रहा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 120.21 अंक टूटकर 84,559.65 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.55 अंक नीचे आकर 25,818.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी शेयरों के कारण बाजार पर दबाव पड़ा। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 0.84 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.49 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.47 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.44 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक 1.29 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.29 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.25 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 321.95 अंक नीचे आकर 59,388.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 126.60 अंक टूटकर 17,138.55 पर रहा था।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, टाइटन, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे

इससे पहले आज सुबह बाजार लगभग सपाट रुख के साथ खुले। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार जारी कमजोरी ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला। सेंसेक्स 84,856 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 169.35 अंक की बढ़त के साथ 84,849.21 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी 25,902 अंक पर सपाट खुलने के बाद यह 54.15 अंक की मजबूती के साथ 25,920 पर करोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में बुधवार को ज्यादातर कमजोरी देखने को मिली। जापान से आए नए व्यापार आंकड़ों के बाद निक्केई 225 में 0.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.21 फीसदी फिसला, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी क्षेत्रीय रुझान के उलट 0.5 फीसदी उछला। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। एसएंडपी गिरावट के साथ 0.24 फीसदी नीचे बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.23 फीसदी बढ़ा, जबकि डॉव जोंस 0.62फीसदीगिरा।

पार्क मेडि वर्ल्ड का शेयर निर्गम मूल्य से कम पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली पार्क ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पार्क मेडि वर्ल्ड लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पिछले दिन को बोली के अंतिम दिन आठ गुना अभिदान के साथ बंद हुआ। कंपनी ने 920 करोड़ का आईपीओ लॉन्च किया, जिसमें 770 करोड़ रुपए के नए शेयर और 150 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। कंपनी का शेयर बुधवार को बाजार में लिस्टेड हुआ। बीएसई पर शेयर 155.60 रुपए पर खुला, जो निर्गम मूल्य 162 रुपए से 3.95 फीसदी कम है। वहीं, एनएसई पर यह 158.80 रुपए पर कारोबार शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.97 फीसदी कम है। लिस्टिंग के समय कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,949.77 करोड़ रुपए रहा। निवेशकों के लिए यह संकेत है कि आईपीओ को अच्छी मांग मिली, लेकिन शुरुआती लिस्टिंग में हल्की गिरावट देखी गई।

रुपए में तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं: अर्थशास्त्री

जून 2027 तक 92 प्रति डॉलर तक कमजोर होने की संभावना

नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले रुपये में हालिया तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं है, यह बात एक अर्थशास्त्री द्वारा कही गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल तभी विनिमय दर में हस्तक्षेप करेगा जब गिरावट सहनीय स्तर से आगे बढ़े। मंगलवार को रुपया 91 के स्तर को पार कर गया और लगातार चार सत्रों में नए निचले स्तर पर आया। रिपोर्ट में बताया गया है कि जून 2026 तक रुपये का औसत स्तर लगभग 90 प्रति डॉलर रहने की उम्मीद है और जून 2027 तक यह कमजोर होकर 92 प्रति डॉलर तक जा सकता है। गिरावट की गति मुख्य रूप से पूंजी प्रवाह और वैश्विक जोखिम-लेने की क्षमता पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार बनाने के लिए अतिरिक्त पूंजी को अवशोषित कर सकता है और विनिमय दर व्यवस्था में बदलाव धीरे-धीरे ही किया जाएगा। 2022 में डॉलर के मुकाबले रुपया 11.4 फीसदी गिर गया था, जिसके बाद आरबीआई ने लचीली विनिमय दर के तहत धीरे-धीरे हस्तक्षेप कर उतार-चढ़ाव को सीमित किया। हालांकि, 2024 के अंत में अधिक हस्तक्षेप के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 88 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे रुपये का स्तर 90 पार हो गया। उन्होंने ने कहा कि आरबीआई मौजूदा चक्र में ब्याज दर में और कटौती नहीं करेगा, क्योंकि महंगाई दर अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई लगभग 4 फीसदी रहने की उम्मीद है।

सरकार करेगी इंडियन ओवरसीज बैंक के तीन फीसदी शेयरों का विनिवेश

गैर-खुदरा निवेशकों के लिए सार्वजनिक बिक्री प्रारंभ

नई दिल्ली इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की सार्वजनिक बिक्री (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बुधवार से शुरू हो गई है। सरकार अपनी तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके तहत 2 फीसदी हिस्सेदारी यानी 38.51 करोड़ शेयर मूल पेशकश में बेचे जाएंगे, जबकि 1 फीसदी हिस्सेदारी यानी 19.25 करोड़ शेयर 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत बेचे जा सकते हैं। इस कदम से सरकार लगभग 1,960 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रख रही है। खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस गुरुवार से खुलेगा। प्रत्येक शेयर का न्यूनतम मूल्य 34 रुपए तय किया गया है। मंगलवार को आईओबी का शेयर बाजार में 36.57 रुपए पर बंद हुआ था। ओएफएस में 1.5 लाख शेयर कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। पात्र कर्मचारी अधिकतम 5 लाख रुपए तक के शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सुविधा कर्मचारियों को बैंक की हिस्सेदारी में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर देती है। इंडियन ओवरसीज बैंक में वर्तमान में सरकार की हिस्सेदारी 94.61 फीसदी है। यह विनिवेश न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी नियम के अनुरूप किया जा रहा है, जिसके तहत सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होनी चाहिए।

वैश्विक व्यापार में शुल्क का हथियार के रूप में बढ़ता प्रयोग, भारत सतर्क रहे: वित्त मंत्री

केवल शुल्क से निपटना पर्याप्त नहीं है; भारत को अपनी आर्थिक मजबूती के बल पर लाभ लेना चाहिए

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वर्तमान में वैश्विक व्यापार स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह गया है। उन्होंने बुधवार को आयोजित भारत आर्थिक सम्मेलन में यह स्पष्ट किया कि कई देश शुल्क और अन्य उपायों का उपयोग व्यापार को हथियार बनाने के लिए कर रहे हैं। उनका कहना था कि केवल शुल्क के जरिए स्थिति को संभालना पर्याप्त नहीं है। सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत ने कभी भी शुल्क का इस्तेमाल आक्रामक हथियार के रूप में नहीं किया। भारत का उद्देश्य अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है, ताकि वे सस्ते या अत्यधिक माल से प्रभावित न हों। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक मजबूती ही भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अतिरिक्त लाभ दे सकती है। मंत्री ने अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क और मैक्सिको की नई घोषणा का उदाहरण दिया, जिससे स्पष्ट होता है कि कुछ देश अपने हितों के लिए शुल्क का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि शुल्क

उचित नहीं हैं, लेकिन अब नए तरीके से शुल्क बाधाएँ बनाना आम हो गया है। सीतारमण ने व्यापारिक बातचीत में भारत को सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया।

उनका मानना है कि सिर्फ शुल्क नीति पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत आर्थिक स्थिति और सतर्क कूटनीति ही भारत को वैश्विक व्यापार में सुरक्षित और लाभकारी बनाएगी।

इंडिगो संकट: कुप्रबंधन, नए नियम और ठप हुआ देश का विमानन नेटवर्क

नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में आया विमानन संकट अचानक नहीं था, बल्कि इसके संकेत नवंबर में ही दिखने लगे थे। 1 नवंबर से पायलटों के लिए अधिक आराम समय से जुड़े नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू होने के बाद नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं। इसके बावजूद एयरलाइन ने न तो स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और न ही यात्रियों के लिए कोई ठोस वैकल्पिक योजना बनाई। 1 दिसंबर को इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के शीर्ष अधिकारियों से नए नियमों पर स्पष्टता के लिए मुलाकात की। इस बैठक में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया कि एयरलाइन गंभीर परिचालन संकट की ओर बढ़ रही है। दो दिन बाद ही 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो की उड़ानों की बड़े पैमाने पर रद्दीकरण शुरू हो गई। दिसंबर के पहले कुछ दिनों में देशभर के एयरपोर्ट्स पर 5,500 से ज्यादा इंडिगो उड़ानें रद्द हुईं, जिससे 6 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घरेलू विमानन संकट माना जा रहा है। इसके बाद सरकार और एयरलाइन के बीच दोषारोपण शुरू हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने डीजीसीए का बचाव करते हुए संकट के लिए इंडिगो के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यात्रियों को पूरा रिफंड देने के निर्देश दिए और चार-सदस्यीय समिति से जांच कराने की घोषणा की। विशेषज्ञों के अनुसार इंडिगो ने सर्दियों के शेड्यूल में आक्रामक विस्तार किया। उसे घरेलू उड़ानों में पिछले सर्दियों की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक अनुमति मिली, जबकि अन्य एयरलाइनों ने क्षमता घटाई। यही असंतुलन इस बड़े संकट की मुख्य वजह बना।

30 हजार यूनिट्स बिक चुकी नई एसयूवी विक्टोरिस की

नई दिल्ली

महज तीन महीनों में ही मारुति सुजुकी की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी विक्टोरिस की 30 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं, जो इस सेगमेंट में इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। खास बात यह है कि ग्रैंड विटारा के प्लेटफॉर्म पर बनी होने के बावजूद विक्टोरिस ने बिक्री के मामले में उसी को पीछे छोड़ दिया है।

नवंबर महीने में यह एसयूवी किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा थार, बोलेरो, एक्सयूवी 3गुणाह, टोयोटा हाइराइडर, किआ सेल्टोस और एक्सयूवी 700 जैसी गाड़ियों से आगे निकल गई। विक्टोरिस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.50 लाख रुपये रखी गई है, जो इसे मिडिल क्लास खरीदारों के लिए आकर्षक बनाती हैइसमें तीन इंजन विकल्प मिलते हैं। पहला 1.5 लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल इंजन है, जो 103 हॉर्सपावर देता है।

दूसरा 1.5 लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन है, जो 116 हॉर्सपावर की ताकत के साथ शानदार माइलेज का दावा करता है। तीसरा विकल्प 1.5 लीटर पेट्रोल-सीएनजी इंजन का है। 10.25 इंच का टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीटें और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम बनाते हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, अडास लेवल-2, 360 डिग्री कैमरा और 5-स्टार भारत एनकैप रेटिंग दी गई है। इन्हीं खूबियों के चलते विक्टोरिस तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है। ट्रांसमिशन के लिए मैनुअल, ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी के विकल्प दिए गए हैं, वहीं ऑल-व्हील ड्राइव का ऑप्शन भी मौजूद है। डिजाइन के मामले में विक्टोरिस नई और मॉडर्न नजर आती है। इसका एक्सटीरियर बोल्ड है, जबकि इंटीरियर पूरी तरह टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

वनस्पति तेल आयात में भारी गिरावट, रिफाइंड पामोलीन अधिक प्रभावित

नवंबर में कुल 11.83 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ

नई दिल्ली

तेल वर्ष 2025-26 की शुरुआत (नवंबर 2025) भारत में वनस्पति तेल आयात के लिहाज से कमजोर रही। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में कुल 11.83 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ। इसमें करीब 11.50 लाख टन खाद्य तेल और 33 हजार टन गैर-खाद्य तेल शामिल थे। यह पिछले वर्ष के समान महीने में 16.50 लाख टन आयात के मुकाबले लगभग 28 प्रतिशत कम है। अक्टूबर 2025 में आयात 13.32 लाख टन था, जबकि नवंबर में यह 11.83 लाख टन रह गया, यानी मासिक आधार पर लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट। रिफाइंड पामोलीन (आरबीडी पामोलिन) का आयात सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। नवंबर में केवल 3,500 टन आयात हुआ, जबकि पिछले साल यह 2.85 लाख टन था। विशेषज्ञों का मानना है कि क्रूड पाम तेल और आरबीडी पामोलीन के बीच बढ़े आयात शुल्क अंतर (8.25 से 19.25 फीसदी मई 2025 से) का सीधा असर पड़ा। जुलाई से ही इसके आयात में गिरावट देखी जा रही थी, जो नवंबर में और स्पष्ट हो गई। कच्चे सोया तेल का आयात 3.70 लाख

टन पर आ गया, सालाना 9 प्रतिशत कम। कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात लगभग 1.43 लाख टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 58 प्रतिशत कम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20आई क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बड़ी बढ़त पर हैं। 34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में भी शामिल हो गए हैं। यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनेल बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्कराम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद', आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद पहली बार बोले सरफराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'मुझे नई जिंदगी देने के लिए ष्टस्य का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।' मध्यक्रम के इस आक्रामक बल्लेबाज ने पिछली बार 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच खेला था। इसके बाद के दो सत्र में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अभी मुश्किल में है क्योंकि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वह अतीत में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं। सरफराज ने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था।

यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में रहा है जिसमें उन्होंने 82.25 की औसत और 204.34 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। सरफराज ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत और 74.94 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 150 है।

आईपीएल में सबसे महेंगे बिके कैमरून ग्रीन एशेज में शून्य पर आउट हुए

एडीलेड (एजेंसी)। आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने शिकार बनाया। तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी शुरु की पर उसके बल्लेबाज विफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए ग्रीन केवल दो गेंद ही खेल पाये थे कि आर्चर की गेंद पर कैच हो गये। इस प्रकार ग्रीन का शून्य पर आउट होना प्रशंसकों के बीच चर्चा का मामला बन गया। आईपीएल नीलामी में मोटी रकम पाने के बाद प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, इसी कारण उन्हें अधिक निराशा हुई।

ग्रीन को गत दिवस हुई नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। ग्रीन को लेकर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जमकर बोली लगी थी। सीएसके ने 25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी पर अंत में केकेआर को सफलता मिली। केकेआर ने नीलामी के बाद एक वीडियो भी जारी किया। इसमें ग्रीन ने कहा, 'मैं इस साल आईपीएल में कोलकाता का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, ईडन गार्डन्स में खेलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। वहां के माहौल में ढलने का और उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए बेहतरीन रहेगा।'

ग्रीन के टीम में आने से केकेआर की टीम को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। इसका कारण है कि ग्रीन गेंद और बल्ले दोनो से ही बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस ऑलराउंडर ने साल 2023 और 2024 के आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 41.58 की औसत से 707 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 153 से ज्यादा रहा। वहीं 16 विकेट भी लिए।

आईपीएल 2026: सीएसके फैंस के लिए झटका, धोनी के संन्यास पर पूर्व खिलाड़ी का बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएसके बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि एमएस धोनी के आईपीएल करियर को लेकर अब स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है। उनके अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स पिछले कुछ सीजन से ट्रांजिशन मोड में है और यह प्रक्रिया अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ी है। उथप्पा ने कहा कि टीम का मौजूदा संतुलन और फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब धोनी के लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

कप्तानी की जिम्मेदारी रुतुराज की ओर

उथप्पा ने यह भी बताया कि जब से कप्तानी दोबारा धोनी के हाथ में आई, तब से हर सीजन नेतृत्व की जिम्मेदारियां रुतुराज गायकवाड़ की ओर शिफ्ट होती दिखीं। टीम मैनेजमेंट ने रुतुराज को लंबे समय का कप्तान मानते हुए धीरे-धीरे फैसलों में शामिल करना शुरू किया। इससे साफ है कि सीएसके भविष्य को ध्यान में रखकर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर चुकी है।

संजू सैमसन की एंट्री और उत्तराधिकार योजना

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन को ट्रेड कर सीएसके में लाना भी इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। उथप्पा के मुताबिक, सैमसन न सिर्फ टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, बल्कि धोनी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी एक मजबूत विकल्प हैं। यह फैसला बताता है कि टीम धोनी के बाद की संरचना पर गंभीरता से काम कर रही है।

युवाओं पर भरोसा, भविष्य की नींव

सीएसके ने आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में युवाओं पर बड़ा दांव खेला। अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर भारी रकम खर्च कर टीम ने साफ कर दिया कि वह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत कोर तैयार करना चाहती है। इसके अलावा नूर अहमद और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मेंटर के रूप में धोनी की संभावित भूमिका

उथप्पा का मानना है कि भले ही धोनी मैदान से दूरी बना लें, लेकिन उनका सीएसके से जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिए कि धोनी भविष्य में मेंटर-कम-प्लेयर या केवल मेंटर की भूमिका में टीम के साथ रह सकते हैं। इससे सीएसके को अनुभव और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जबकि टीम नई पीढ़ी के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं। जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

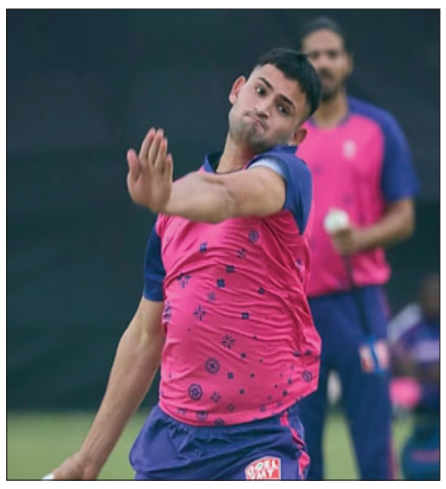

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली। राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

पंजाब किंग्स ने इन चार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा, कप्तान श्रेयस अय्यर ने कह दी ये बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी नीलामी में चार महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को खरीदकर आगामी सीजन के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम पूरी कर ली है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को 3 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने खाते की शुरुआत की। मध्य क्रम में लचीलापन प्रदान करने में सक्षम उभरते सितारे कॉनॉली एक विश्वसनीय धीमी गति की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी प्रदान करते हैं।

कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच के बारे में बात करते हुए, कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनका सामना किया है, ने कहा: 'सच कहूं तो, शुरुआत में वह हमारे दिमाग में नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे हमने विचार-विमर्श किया और विकल्पों को सीमित किया, हमें एहसास हुआ कि वह इस पोजीशन के लिए बिल्कुल सही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव शानदार है और उनमें मैच को फिनिश करने की क्षमता है। आईपीएल में ये खूबियां बहुत मायने रखती हैं। हालांकि, हमने सोचा नहीं था कि हम उन्हें 3 करोड़ में खरीद पाएंगे, हमने तो उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान लगाया था।'

इसके तुरंत बाद, नीलामी में टीम की सबसे ऊंची बोली लगी, जब बेन ड्वार्शियस को 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी स्ट्राइकर ड्वार्शियस गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देते हैं और डेथ ओवरों में घातक पावर-हिटिंग का विकल्प प्रदान करते हैं। प्रवीण दुबे को उनकी बेस प्राइस 1 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया गया और वह किंग्स की टीम में लौट आए। दुबे युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बराड़ की मौजूदा जोड़ी के पूरक के रूप में भारतीय स्पिन गेंदबाजी का महत्वपूर्ण बैकअप प्रदान करते हैं।

घरेलू टीम को और मजबूत करने के लिए, होनहार युवा प्रतिभा विशाल निषाद पीबीकेएस टीम में शामिल हो गए हैं और उन्हें 30 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस पर साइन किया गया है। किंग्स ने 11.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश किया, जिसमें से उन्होंने 8 करोड़ रुपये खर्च कर दिए और दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को खरीद लिया।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीबी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे।

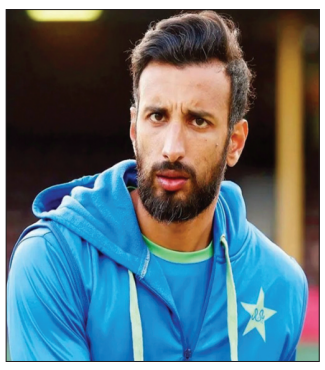

पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह सो तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था। मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएलमें खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा। शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज़ नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

फ्रांस के डेम्बेले और स्पेन की बोनमाटी ने जीता फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

दोहा (एजेंसी)। स्पेन की आइताना बोनमाटी और फ्रांस के उस्मान डेम्बेले को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। मंगलवार रात यहां आयोजित एक विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किये जिनमें से 21 गोल लीग-वन में थे और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। वहीं, बार्सिलोना की मिडफील्डर को क्लब और देश के लिए एक और शानदार साल के बाद द बेस्ट फीफा महिला खिलाड़ी चुना गया और वह लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला फुटबॉलर बन गईं।

बोनमाटी ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी' ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

पुरस्कार के बाद बोनमाटी ने कहा, 'मैं अपना तीसरा फीफा द बेस्ट अवॉर्ड 'जीतने के लिए बहुत आभारी और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जो खिलाड़ी मेरी तरह फुटबॉल खेलते हैं या जिन कोचों के खिलाफ मैं खेलती हूं, उन्होंने मुझे फीफा द बेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कह सकती हूं।'

उस्मान डेम्बेले ने कहा, 'सबसे पहले, मैं अपने सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत रंग लाती है। यह मेरे लिए, व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में, एक शानदार साल रहा है। मैं अपने परिवार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा मेरे जन्मदिन पर आपसे एक छोटा सा मैसेज मिलता है, जिससे मुझे हमेशा खुशी होती है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से यहां आऊंगा।'

इंग्लैंड को लगातार दूसरा यूइए विमेंस यूरो खिताब दिलाने के बाद सरीना विगमैन को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच चुना गया। लुइस एनरिक को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच चुना गया।

'ताल से ताल मिला' डांस वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय

www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा 'ताल से ताल मिला' तीन दिवसीय डांस वर्कशॉप का आयोजन मंगलवार 16 दिसम्बर से सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा ने बताया कि डांस वर्कशॉप में कोरियोग्राफर आकांक्षा देसाई द्वारा डांस के अनेकों स्वरूप, ट्रेडिशनल, हिप हॉप, आदि के मूव सिखाए जाएँगे। मंगलवार को वर्कशॉप में सौ से अधिक महिलायें उपस्थित रहीं। इस मौके पर महिला शाखा की प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, आरती मित्तल, संगीता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जहां कभी तबाही मचाई थी चट्टानों ने वहीं आज उभरी आस्था, जानें 31 दिव्य आकृतियों का रहस्य

2013 में केदारनाथ घाटी पर आई भीषण त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया था। उस दौरान पहाड़ टूटे, विशाल चट्टानें बहकर मंदिर के पास आकर रुक गईं और हजारों लोगों की जान बचाने में ढाल बनीं। आज वही चट्टानें एक नए आस्था केंद्र के रूप में लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

चट्टानों पर दिखीं 31 रहस्यमयी आकृतियां

स्थानीय लोगों, पुजारियों और कई विशेषज्ञों के अनुसार, इन चट्टानों की सतह पर करीब 31 अलग-अलग आकृतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। इनमें भगवान शिव से मिलती-जुलती आकृतियां, नंदी के जैसे आकार, साधु-संतों की आकृतियों जैसी रेखाएं भक्तों के रूप में दिखने वाली उभरी रूप-रेखाएं दूर से ये आकृतियां साधारण सा पत्थर ही लगती हैं, लेकिन पास जाकर देखने पर इनके आकार बेहद स्पष्ट दिखाई देते हैं। इस वजह से कई लोग इन्हें प्राकृतिक मूर्ति परिसर जैसा मानने लगे हैं।

क्या यह प्रकृति का चमत्कार या दिव्य संकेत?

अब तक वैज्ञानिक रूप से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ऐसी विशाल और गहरी आकृतियां चट्टानों पर कैसे बनीं। कुछ विशेषज्ञ इन्हें प्राकृतिक भू-आकृतिक संरचना बताते हैं, जबकि कई श्रद्धालु इसे शिव की उपस्थिति और दिव्य संकेत मान रहे हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है- '2013 की आपदा के बाद भी मंदिर सुरक्षित रहा... अब इन चट्टानों में शिव के रूप दिखना कोई साधारण बात नहीं है।'

तीर्थयात्रियों के लिए नया आकर्षण

इन चट्टानों को देखने के लिए अब केदारनाथ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। लोग इन्हें आस्था का प्रतीक, चमत्कार का संकेत, प्रकृति की अद्भुत कला और शिव की कृपा मानकर प्रति दिन बड़ी संख्या में दर्शन करने आ रहे हैं।

रहस्य और श्रद्धा बढ़ाती अनोखी कहानी

चाहे ये आकृतियां संयोग हों या प्रकृति के अद्भुत खेल— केदारनाथ की ये चट्टानें अब एक नई आध्यात्मिक कहानी बन चुकी हैं। 2013 की त्रासदी के दौरान मंदिर को बचाने वाली ये चट्टानें आज श्रद्धालुओं की आस्था का नया केंद्र बनकर उभर रही हैं। यह घटना बताती है कि प्रकृति और आस्था जब मिलती हैं, तो इतिहास खुद-ब-खुद नई कहानी रच देता है।

बादलों का घर मेघालय : इन 5 जगहों की सैर आपको जीवन भर याद रहेगी, बनाएं ट्रिप का प्लान !

नॉर्थ-ईस्ट राज्य प्राकृति और सुंदर वादियों के लिए जाना जाता है। अगर आप मेघालय जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। मेघालय को बादलों का घर कहा जाता है। यहां की सुंदरता दुनियाभर में फेमस है। मेघायलय में पानी भी शीशे की तरह चमकता है और घने जंगल की सुंदरता देखकर आप कहीं न कहीं खो जाएंगे। जो एक बार मेघालय घूमने जाएगा वो वही का होकर रह गया है। मेघालय में आपको पहाड़, झरने, नदियां, झील, हरे जंगल सबकुछ देखने को मिलेगा। आइए आपको बताते हैं आप किन जगहों पर जरुर घूमने जाएं।

शिलॉन्ग

मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग घूमने जरुर जाएं। यह शहर बेहद ही खूबसूरत और हरियाली से घिरा हुआ है। मेघालय पूर्वी हिमालय की पहाड़ियों में बसा हुआ है शिलॉन्ग। इसे मिनी स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। शिलॉन्ग में आप व्यू पॉइंट, लैत्कोर पीक, स्प्रेअद ईगल फॉल्स, लेडी ह्यदारी पार्क और एलिफेंट फॉल्स को जरुर देखें।

डॉकी झील

डॉकी झील भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक छोटा-सा शहर बसा है। डॉकी झील को उमंगोट नदी भी बोला जाता है, जो कि भारत से बांग्लादेश तक बहती है। इसका पानी एकदम क्रिस्टल लियर है। इधर नाव पर सफर करने से ऐसा फील होता है कि जैसे नाव हवा में है।

दावकी

अगर आप मेघालय जा रहे हैं, तो पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में स्थित दावकी छोटा सा टाउन है, यहां पर घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। इधर आपको सुंदर झरने देखने को मिलेंगे। दावकी में जाफलोंग जोरी पॉइंट, बुरहिल झरने, मावल्यान्नॉग, रिवाई जैसी खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

मौसिनराम

मेघालय के खासी हिल्स में मौसिनराम एक सुंदर बस्ती है, यह अपनी प्राकृतिक स्टैलेग्माइट शिवलिंग जैसी संरचनाओं के लिए जाना जाता है। यहां पर मावजिम्बुइन गुफा देखने को लायक मिलती है। इस गुफा में शिवलिंग भी रखी है, जो कि स्टैलेग्माइट के लिए जानी जाती है। यहां का वातावरण एकदम शांत और सुकून से भरा हुआ है। कलकल करता हुआ पानी की आवाज आपके मन को शांति प्रदान करेगा।

मावफलांग पवित्र वन

मेघालय में मावफलांग वन एक प्रचीन जंगल है, जो काफी शुद्ध व पवित्र माना जाता है। इस जंगल से एक भी पत्ती बाहर लेकर जाना माना है और इस जंगल में आपको रुद्राक्ष के पेड़ मिलेंगे, हर मुख वाली रुद्राक्ष पेड़ में लगी होती है।

खूबसूरती और रोमांच का अनोखा संगम, हिमाचल का 'कौमिक' गांव, जहां चांदनी रातें बिखेरती हैं जादू

उत्तराखंड में ऐसी कई अद्भुत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए हर मौसम में विश्व के हर कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्थित कौमिक एक ऐसा गांव है, जिसकी खूबसूरती देखकर हर कोई अद्भुत ख्वाबों की दुनिया में चला जाएगा।

हिमाचल प्रदेश पश्चिमी हिमाचल के हृदय में स्थित एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। इसको उत्तराखंड की तरह ही 'देव भूमि' के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जो 'बर्फीले पहाड़ों के प्रांत' के नाम से फेमस है। उत्तराखंड में ऐसी कई अद्भुत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए हर मौसम में विश्व के हर कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्थित कौमिक एक ऐसा गांव है, जिसकी खूबसूरती देखकर हर कोई अद्भुत ख्वाबों की दुनिया में चला जाएगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कौमिक की खासियत और इसके आसपास कुछ अद्भुत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कौमिक गांव

कौमिक गांव को कई लोग कोमिक के नाम से भी जानते हैं। यह गांव खूबसूरत और मनमोहक गांव हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में स्थित है।

कौमिक गांव हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से करीब 444 किमी दूर है। इसके साथ ही कौमिक गांव मनाली से 202, कुल्लू से 224 और रिकांग पिओ से करीब 228 किमी दूर है।

कौमिक गांव की खासियत

हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले की स्पीति में स्थित कौमिक गांव काफी ज्यादा खूबसूरत है। कौमिक गांव को भारत के अलावा दुनिया के सबसे गांव होने की ख्याति भी प्राप्ति होती है।

कौमिक गांव समुद्र तल से करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद कौमिक गांव ढके-ढके ऊंचे पहाड़, क्रिस्टल से अधिक साफ झील-झरनों का पानी और नीले आसमान के लिए जाना जाता है। कौमिक गांव की चांदनी रात पर्यटकों को सबसे अधिक आकर्षित करती है। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण भी पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। इसलिए इस गांव को हिमाचल प्रदेश का हसीन जन्नत माना जाता है।

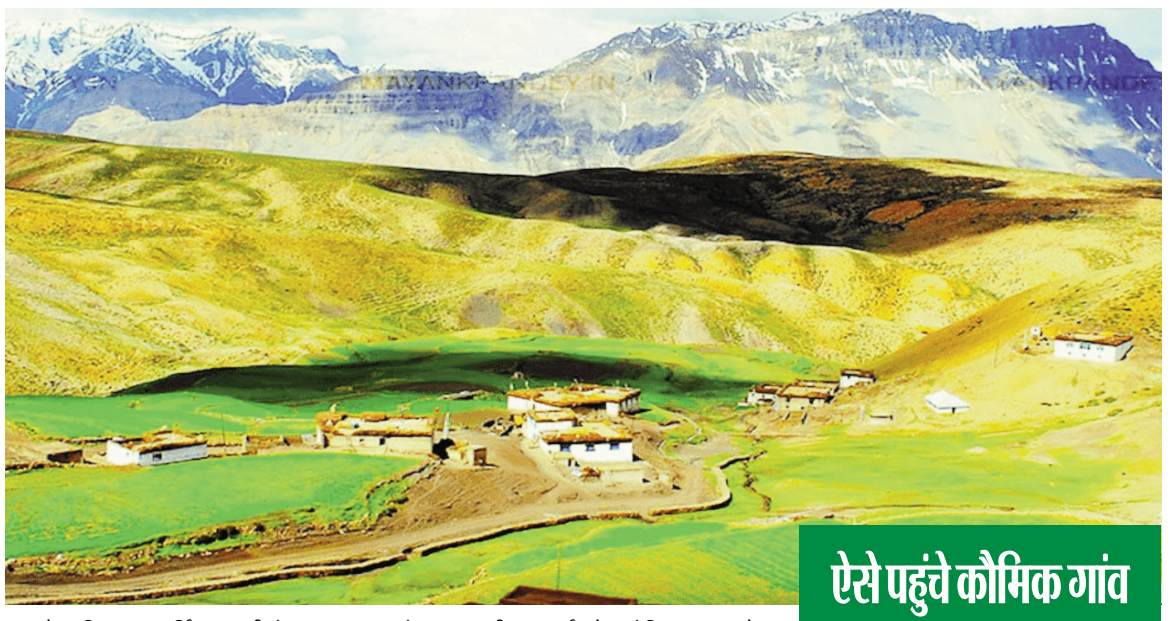

लुंडुप त्सेमो गोम्पा बौद्ध मठ

कौमिक गांव अपनी खूबसूरती के अलावा लुंडुप त्सेमो गोम्पा बौद्ध मठ के लिए भी आकर्षण का केंद्र माना जाता है। इस मठ के बारे में बताया जाता है कि इसका इतिहास करीब 500 साल से भी अधिक पुराना है।

पहाड़ी की चोटी पर मौजूद होने के कारण लुंडुप त्सेमो गोम्पा बौद्ध मठ को एक्सप्लोर करना बहुत लोगों का सपना होता है। मठ की ऊंचाई से कौमिक गांव के आसपास के लुभावने और हसीन दृश्यों को आंखों में कैद कर सकते हैं। आप चाहें तो यहां पर यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

एडवेंचर प्रमियों के लिए स्वर्ग

यह गांव सिर्फ अपनी खूबसूरती के लिए नहीं बल्कि गोम्पा बौद्ध मठ और एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी स्वर्ग माना जाता है। यह गांव विश्व भर में सबसे ऊंचे ट्रैकिंग और हाईकिंग के लिए फेमस है।

सर्दियों के मौसम के अलावा आप यहां पर गर्मियों में भी आ सकते हैं। यहां पर हजारों लोग ट्रैकिंग, बाइक राइड और कैंपिंग के लिए भी आते हैं। आप यहां पर रॉक क्लाइंब का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ऐसे पहुंचे कौमिक गांव

बता दें कि इस गांव पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से बस लेकर स्पीति वैली पहुंच सकते हैं। दिल्ली कश्मीरी गेट से स्पीति वैली के लिए बस चलती हैं। स्पीति वैली पहुंचने के बाद आप बाइक रेंट पर लेकर कौमिक गांव पहुंच सकते हैं। इसके अलावा आप शिमला से भी बस लेकर कौमिक गांव पहुंच सकते हैं।

ये कैसा झरना जो बहता है उल्टा ! नीचे गिरने की बजाए ऊपर चढ़ता है पानी , देखकर हिल जाएगा दिमाग

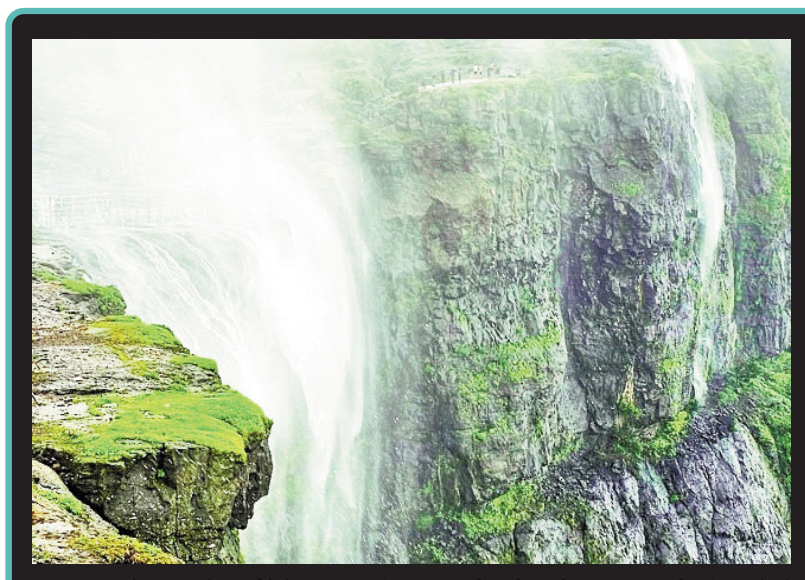

भारत में प्रकृति के कई ऐसे चमत्कार हैं, जिन्हें देखकर आप हैरान रह जाएंगे। इन्हीं में से एक है महाराष्ट्र का नानेघाट वाटरफॉल, जो गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देता है। आमतौर पर झरने ऊपर से नीचे गिरते हैं, लेकिन यह झरना नीचे से ऊपर बहता दिखाई देता है। इस अनोखे नजारे को देखने के लिए हर साल भारी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

कहां स्थित है यह अनोखा झरना?

यह अनोखा झरना नानेघाट वाटरफॉल के नाम से मशहूर है और कोंकण समुद्र तट तथा जुन्नार नगर के बीच स्थित है। मुंबई से इसकी दूरी करीब 120 किमी और पुणे से लगभग 150 किमी है। नाना घाट और 'रिवर्स वाटरफॉल' के नाम से जाना जाने वाला यह स्थान अपने अनोखे प्राकृतिक दृश्य के कारण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है।

क्यों बहता है यह झरना उल्टी दिशा में?

गुरुत्वाकर्षण के नियम के मुताबिक हर चीज ऊपर से नीचे की ओर आती है, लेकिन नानेघाट का यह झरना तेज हवाओं के कारण ठीक उल्टा व्यवहार करता है। यहां हवा इतनी तेज चलती है कि नीचे गिरता पानी हवा का दबाव पकड़कर ऊपर उड़ने लगता है। वैज्ञानिक भी मानते हैं कि इसी तेज हवा की दिशा और गति के कारण यह झरना उल्टी दिशा में बहता दिखाई देता है, जो इसे बेहद रहस्यमयी और अनोखा बनाता है।

इसे देखने पर क्या महसूस होता है?

जो भी इस झरने को पहली बार देखता है, वह दंग रह जाता है। दूर से ऐसा लगता है मानो पानी ऊंची पहाड़ी की तरफ ऊपर चढ़ रहा हो। यह अद्भुत नजारा लोगों को कुछ पल के लिए स्तब्ध कर देता है, क्योंकि प्रकृति का ऐसा उल्टा करिश्मा आमतौर पर देखने को नहीं मिलता।

कैसे पहुंचे नानेघाट रिवर्स वाटरफॉल?

अगर आप नानेघाट रिवर्स वाटरफॉल देखने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां पहुंचना बिल्कुल आसान है। सबसे पहले आपको कल्याण बस स्टैंड जाना होगा, जहां से जुन्?नार और नानेघाट के लिए नियमित बसें मिल जाती हैं। चाहें तो आप सड़क मार्ग से भी अपनी कार या टैक्सी से आराम से नानेघाट पहुंच सकते हैं। यहां तक पहुंचने का रास्ता सुंदर घाटों और हरियाली से भरा है, जो यात्रा को और भी खास बनाता है।

ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए स्वर्ग

नानेघाट ट्रेकिंग प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यह ट्रेल घाटघर के घने जंगल क्षेत्र का हिस्सा है और रोमांच से भरपूर प्राकृतिक रास्तों से होकर गुजरता है। कल्याण-अहमदनगर हाईवे से शुरू होने वाला यह ट्रेकिंग रूट साहसिक यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय है, क्योंकि यहां का शांत वातावरण, पहाड़ी दृश्य और ठंडी हवाएं पूरे सफर को यादगार बना देती हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

नानेघाट रिवर्स वाटरफॉल को देखने का सबसे अच्छा समय मानसून का मौसम माना जाता है। जुलाई से सितंबर के बीच यहां की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। इस दौरान हवाएं बेहद तेज चलती हैं, जिसकी वजह से झरना सबसे मनमोहक तरीके से उल्टी दिशा में बहता दिखाई देता है। यही समय इस अनोखे प्राकृतिक चमत्कार को नजदीक से देखने के लिए परफेक्ट माना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका का पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग ने गिरफ्तार किया और बाद में सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने बताया कि 63 साल के दम्मिका को 2017 में सरकारी कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत टेंडर प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था, जब वह इसके चेयरमैन थे। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाईं धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

बलोच नेता की अपील-पाकिस्तानी कब्जे को बेनकाब करतीं फिल्में बनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने भारतीय फिल्म उद्योग से ऐसी फिल्में बनाने की अपील की है, जो बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के जबरन और अलोकतांत्रिक कब्जे को दिखाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि, बलूचिस्तान ने मार्च 1948 में पाकिस्तान के कब्जा करने से पहले ही स्वतंत्रता हासिल की थी। चंद ने आरोप लगाया कि इस कब्जे के बाद से ही पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान के अरबों डॉलर के प्राकृतिक संसाधनों को योजनाबद्ध तरीके से लूटा है।

मोरक्को के साफी में आई बाढ़ से 37 मौतें

साफी, एजेंसी। मोरक्को के साफी शहर में भारी बारिश से आई बाढ़ में 37 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्रालय ने कहा, रात भर अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ से कई घर-व्यवसाय जलमग्न हो गए और 10 वाहन बह गए। स्कूलों को तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। बारिश के कारण अन्य हिस्सों में भी बाढ़ आई है, जिनमें तटीय शहर टेटुआन और पहाड़ी शहर टिंगहिर शामिल हैं।

हांगकांग : लोकतंत्र समर्थक जिम्मी लाई दोषी करार

विक्टोरिया, एजेंसी। स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग की प्रसिद्ध मीडिया हस्ती रहे और चीन के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन जजों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया। हालांकि लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। हांगकांग के कानून के तहत लाई को उम्रकैद की सजा हो सकती है।

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रेरा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया।

ऑस्ट्रेलिया हमले पर बड़ा खुलासा- इस्लामिक स्टेट से ली प्रेरणा, फिलीपींस गए थे बाप-बेटा

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर रविवार शाम को हुए सामूहिक गोलीबारी हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह हमला यहूदी समुदाय के हानुका उत्सव 'चानुका बाय द सी' के दौरान हुआ, जिसमें करीब एक हजार लोग शामिल थे। पुलिस ने इसे आतंकी घटना घोषित कर दिया है और प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि हमलावर इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को कहा कि हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित लगता है। उन्होंने इसे नफरत की विचारधारा करार दिया, जो पिछले एक दशक से कुछ लोगों को उग्रवादी बनाने का काम कर रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि हमलावरों की कार में दो घरेलू स्तर पर बने इस्लामिक स्टेट के झंडे और इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिले हैं।

हमलावरों की पहचान : हमलावर पिता-पुत्र थे। 50 वर्षीय साजिद अकरम और उसके 24 वर्षीय बेटे नवीद अकरम ने इस हमले को अंजाम दिया। साजिद अकरम की पुलिस की गोलीबारी में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में पुलिस हिरासत में है। साजिद के पास छह हथियारों का वैध लाइसेंस था, जिनका इस्तेमाल हमले में किया गया लगता है।

पुलिस कमिश्नर माल लैन्यन ने

बताया कि दोनों हमलावर पिछले महीने फिलीपींस की यात्रा पर गए थे और इस यात्रा के उद्देश्य की जांच चल रही है। कुछ रिपोर्ट्स में संकेत है कि वे वहां मिलिट्री ट्रेनिंग लेने गए थे। नवीद अकरम की 2019 में ऑस्ट्रेलियाई खुफिया एजेंसी एएसआईओ ने जांच की थी, क्योंकि उसके आईएस से जुड़े एक सेल से संबंध थे, लेकिन तब उसे तत्काल खतरा नहीं माना गया।

हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था: एंथनी अल्बनीज

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। समाचार एजेंसी एएफपी और बीबीसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अल्बनीज ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) के सिडनी चैनल को दिए गए एक रेडियो इंटरव्यू में कही, जिसके अंश उनके कार्यालय ने समाचार एजेंसियों के साथ साझा किए।

उन्होंने इस हमले को 'सुनियोजित, योजनाबद्ध और बेहद बर्बर' बताया। अल्बनीज ने कहा कि अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि दो हमलावरों (जो पिता और बेटे की जोड़ी थे) ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल्बनीज ने कहा कि यह वह विचारधारा है जो एक दशक से ज्यादा समय से मौजूद है, जिसने नफरत की सोच को जन्म दिया और इसने बड़े पैमाने पर हत्या करने की मानसिकता पैदा की। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावर नवीद अकरम पहले भी दूसरों के साथ उसके संबंधों की वजह से अधिकारियों की नजर में आया था। नवीद का पिता साजिद अकरम पुलिस की गोलीबारी में मारा गया था।

रिपोर्ट में प्रधानमंत्री अल्बनीज के हवाले से कहा गया, जिन दो लोगों से वह (नवीद) जुड़ा हुआ था, उन पर आरोप लगे और वे जेल भी गए। लेकिन उस समय उसे ऐसा व्यक्ति नहीं समझा गया था कि जिस पर विशेष नजर रखने की जरूरत हो। अल्बनीज की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब लगातार इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि साजिद और नवीद अकरम इस्लामिक स्टेट से प्रभावित थे।

कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों ने एबीसी को बताया था कि इसकी संभावना है, क्योंकि हमलावरों की कार से कथित तौर पर आईएस एक का झंडा बरामद हुआ था। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लान्योन के अनुसार, इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई, इसके अलावा एक हमलावर भी मारा गया। मृतकों में एक 10 साल की बच्ची भी शामिल थी। बॉन्डी बीच गोलीबारी के पीछे शामिल दोनों हमलावरों की पहचान सोमवार सुबह (स्थानीय समय) की गई। पुलिस आयुक्त लान्योन ने बताया कि 50 वर्षीय और 24 वर्षीय दो पुरुष ही इस हमले में शामिल एकमात्र शूटर थे। नवीद अकरम को घटनास्थल से गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने यह भी बताया कि उसके पिता साजिद अकरम को हमले के दौरान पुलिस ने गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मेक्सिको में प्लेन फैक्ट्री से टकराई, 7 की मौत, 3 लापता; इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में हादसा

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में सोमवार को एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। इसमें सात लोगों की मौत हो गई जबकि 3 लापता हैं। यह प्राइवेट जेट एकापुल्को से टोलुका एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रहा था, लेकिन इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में सैन मेटियो एटेंको इलाके में क्रैश हो गया। विमान ने एक फुटबॉल फील्ड पर लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन पास की एक फैक्ट्री की मेटल छत से टकरा गया, जिससे आग लग गई। आग की वजह से इलाके के करीब 130 लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। दुर्घटना की जांच चल रही है, और शुरुआती रिपोर्ट्स में इंजन फेलियर की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्राइवेट जेट में 8 पैसेंजर्स और 2 क्रू मेंबर थे। फिलहाल 7 लोगों के शव मिले हैं। बाकी लोगों की तलाश जारी है।

छत से टकराया विमान : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान एक फुटबॉल मैदान पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह पास में स्थित एक व्यावसायिक इमारत की लोहे की छत से टकरा गया। टक्कर के बाद विमान में आग लग गई, जिसने आसपास के क्षेत्र को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर दमकल और बचाव दल पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इलाके से 130 लोगों को निकाला गया बाहर : सैन मातेओ अतेन्को की मेयर आना मुनिज ने बताया कि आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के करीब 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। प्रशासन ने एहतियातन पूरे इलाके को घेर लिया। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की असली वजह साफ हो पाएगी।

बीएनपी लीडर बोले- बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं की थी

ढाका, एजेंसी। चुनाव करीब आते ही बांग्लादेश में भारत विरोधी बयानबाजी में उछाल आ गया है। बीएनपी के एक नेता ने दावा किया है कि 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में बंगाली बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं, बल्कि 'एक पड़ोसी देश' की सेना ने की थी। यह अप्रत्यक्ष इशारा भारत की ओर था।

बांग्लादेश की राष्ट्रवादी पार्टी के नेता एडवोकेट अबू अल यूसुफ खान टिपू, जो पार्टी की नारायणगंज शहर इकाई के सदस्य सचिव हैं, ने रविवार को शहीद बुद्धिजीवी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक चर्चा में ये टिप्पणियां कीं। इन टिप्पणियों की काफी आलोचना हुई है और बीएनपी ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। ये टिप्पणियां बंगलादेश के विजय दिवस, 16 दिसंबर से एक दिन पहले आई हैं, जो पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण का प्रतीक है और भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

टीपू ने जमात को पश्चिमी पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों में ऐतिहासिक रूप से मिलीभगत के आरोप से बरी करते हुए कहा

कि हत्याओं के लिए किसी एक विशेष राजनीतिक समूह को दोषी ठहराना 'इतिहास का विकृतिकरण' है और उन्होंने जमात से अंतरिम सरकार से 'इतिहास को सही करने' की मांग करने का आग्रह किया।

उनकी ये टिप्पणियां जमात नेता गुलाम पोरवार द्वारा कार्यक्रम के दौरान किए गए इसी तरह के दावों के बाद आईं, जिन्होंने दावा किया कि बुद्धिजीवियों की हत्या के पीछे भारत का हाथ था, जो 'भारतीय सेना और उसकी खुफिया एजेंसी द्वारा रची गई एक सुनियोजित साजिश' का हिस्सा था और यहां तक कि उन्होंने झूठा दावा भी किया कि भारतीय सेना ने 8 दिसंबर तक ढाका पर कब्जा कर लिया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीबीसी पर ठोक दिया मानहानि का मुकदमा, मांगा 10 अरब डॉलर का हर्जाना

वाशिंगटन, एजेंसी। एक भाषण को एडिट करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया हाउस बीबीसी पर मुकदमा ठोक दिया है। उन्होंने बीबीसी से 10 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग भी की है। उन्होंने ब्रिटिश प्रसारक पर मानहानि के साथ-साथ भ्रामक और अनुचित तरीके से व्यापार करने का आरोप लगाया। दरअसल 6 जनवरी 2021 को डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित किया था। इसके बाद उनके समर्थक कैपिटल हिल पर पहुंच गए और हिंसक हो गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बीबीसी ने ट्रंप के भाषण के वीडियो में 'फाइट लाइक हेल' दिखाया लेकिन उनके दूसरे पार्ट को काट दिया जिसमें वह शांतिपूर्ण प्रदर्श की बात कर रहे थे। बीबीसी पर 33 पन्नों के इस मुकदमे में ट्रंप का ''झूठा,

मानहानिकारक, भ्रामक, अपमानजनक, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण चित्रण'' करने का आरोप लगाया गया है और इसे 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ''हस्तक्षेप करने तथा उसे प्रभावित करने की निर्लज्ज कोशिश'' बताया गया है। इसमें बीसीसी पर ''राष्ट्रपति ट्रंप के छह जनवरी, 2021 के भाषण के दो पूरी तरह से अलग-अलग अंशों को एक साथ जोड़ने'' का आरोप लगाया गया ताकि ''ट्रंप द्वारा कही गई बातों के अर्थ को जानबूझकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।'' बता दें कि बीबीसी की फंडिंग उसके दर्शकों से होती है। डोनाल्ड ट्रंप की लीगल टीम का कहना है कि बीबीसी लेफ्ट अजेंडा चलाता है और इसलिए डोनाल्ड ट्रंप को बदनाम करने की कोशिश में लगा रहता है। बीबीसी की तरफ इस मुकदमे को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले डॉक्युमेंट्री प्रकाशित करने को लेकर बीबीसी पहले से ही संकट का सामना कर रहा है। कई सीनियर अधिकारी इस्ती दे चुके हैं। इससे बीबीसी की छवि भी खराब हुई है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। इस डॉक्युमेंट्री को अमेरिका में नहीं प्रसारित किया गया था। अब अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी वाले कानून से अपने मुद्दे को अलग करने के लिए ट्रंप को साबित करना होगा कि बीबीसी ने जो कुछ भी एडिट किया वह अपमानजनक था और दर्शकों में भ्रम फैलाने के लिए ही ऐसा किया गया था। बीबीसी कोर्ट में दावा कर सकता है कि उसने जो कुछ दिखाया वह सच था और जो कुछ भी एडिट किया गया है उससे जनता में कोई गलत संदेश नहीं गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ भी केस किया था। हालांकि दोनों ने किसी भी गलती से इनकार किया है।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बढ़ी चौकसी, गुप्त हमलों की आशंका से सतर्क हुआ चुनाव आयोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी महीने में होने वाले आम चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण होते दिख रहे हैं। इसी बीच चुनाव आयोग (ईसी) ने पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के आदेश दिए हैं। आयोग को आशंका है कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए गुप्त और सुनियोजित हमले किए जा सकते हैं।

यह कदम उस घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें छात्र आंदोलन से जुड़े नेता और कट्टर दक्षिणपंथी सांस्कृतिक संगठन 'इंकिलाब मंच' के प्रमुख शरीफ उस्मान हादी को राजधानी ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मार दी गई। यह हमला चुनाव कार्यक्रम

की घोषणा के ठीक एक दिन बाद हुआ। मतदान 12 फरवरी को होना है। हादी की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

सरकार ने शुरू किया 'ऑपरेशन डेविल हंट-2 : अंतरिम सरकार ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर भेजा है। सरकार ने आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 50 लाख टका इनाम की घोषणा की है। रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मुख्य आरोपी की पत्नी, साले और एक महिला मित्र को गिरफ्तार किया है। इस बीच सरकार ने 'ऑपरेशन डेविल हंट-2' के तहत देशभर में सुरक्षा अभियान शुरू किया है। चुनाव उम्मीदवारों और अहम राजनीतिक हस्तियों को अस्थायी हथियार लाइसेंस देने और सशस्त्र सुरक्षा कर्मी रखने की अनुमति भी दी गई है। हसीना सरकार के पतन के बाद पहला चुनाव हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने कानून-व्यवस्था के पूरी तरह बिगड़ने से इनकार करते हुए इन घटनाओं को छिटपुट बताया है। गौरतलब है कि यह चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अगस्त में हटने के बाद पहला आम चुनाव होगा। बदले राजनीतिक माहौल में बीएनपी को मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

'रूस-यूक्रेन शांति समझौता के बहुत करीब', बर्लिन में बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस और यूक्रेन संघर्ष इतने प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देशों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इस संघर्ष के जल्द खत्म होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन शांति समझौते को लेकर पहले से कहीं ज्यादा करबी आ चुके हैं। यह दावा उन्होंने अमेरिकी समयानुसार सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बर्लिन में यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ लंबी बातचीत के बाद हालात बेहतर होते दिख रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब बर्लिन में अमेरिका, यूरोपीय देशों, नाटो के नेताओं और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच कई घंटे तक बातचीत हुई। इन बैठकों में युद्ध को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार यूरोपीय देश यूक्रेन को पश्चिमी सुरक्षा गारंटी देने के लिए तैयार हैं। लेकिन किस इलाके पर किसका नियंत्रण रहेगा, यह मुद्दा अब भी सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है।

अमेरिका को मिल रहा यूरोप के कई देशों का साथ-ट्रंप : ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को यूरोप के कई देशों का पूरा समर्थन मिल रहा है, जो इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे जरूर पूरा करेंगे। मुझे लगता है कि अब यह संघर्ष खत्म होने के पहले से ज्यादा करीब हैं। ट्रंप ने देशों के नाम का जिक्र करते हुए कहा कि जर्मनी, इटली, फ्रांस, ब्रिटेन, पोलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और नीदरलैंड जैसे देश अमेरिका के साथ मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

इतना ही नहीं ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत होने की बात का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कई बातचीत हुई हैं और सब मानते हैं कि हम समाधान के बहुत नजदीक हैं। हम बहुत सारी जिंदगियां बचाना चाहते हैं।

जयशंकर ने यूएई के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक, आर्थिक और रक्षा सहयोग पर हुई सार्थक चर्चा

अबू धाबी , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और यूएई के रिश्ते तेजी से बहुआयामी रूप ले रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिन तक चले सिर बनी यास फोरम 2025 में हिस्सा लेने के बाद सोमवार को अबू धाबी पहुंचे। यहां उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवें रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई और भविष्य की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी।

आर्थिक और रक्षा सहयोग पर जोर : जयशंकर ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में आर्थिक सहयोग को गहरा करने और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसे बेहद उपयोगी बातचीत बताया और कहा कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना गया।

निवेश और भू-आर्थिक हालात पर बातचीत : विदेश मंत्री जयशंकर ने मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। मुबादला अबू धाबी सरकार की प्रमुख संप्रभु निवेश कंपनी है। इस बातचीत में वैश्विक भू-आर्थिक

स्थिति पर विचार साझा किए गए और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया। जयशंकर ने भारत में उभरते निवेश अवसरों की जानकारी भी दी।

रणनीतिक संवाद को मिली नई दिशा : भारत और यूएई के बीच हुए रणनीतिक संवाद में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने माना कि मौजूदा वैश्विक हालात में एक-दूसरे के साथ तालमेल और मजबूत करना जरूरी है। यह संवाद भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और ठोस बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अगला पड़ाव इस्राइल यात्रा : यूएई दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को इस्राइल की यात्रा पर जाएंगे। वहां वे अपने समकक्ष गिडिओन सआर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा जयशंकर की इस्राइल के राष्ट्रपति आइजक हर्ज़ोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात तय है। इस्राइल दौरे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। जयशंकर का यह दौरा भारत की सक्रिय और संतुलित विदेश नीति को दर्शाता है। यूएई जैसे अहम साझेदार के साथ रिश्तों को और मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। आर्थिक निवेश से लेकर रक्षा सहयोग और रणनीतिक संवाद तक, यह यात्रा भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेशनल हेराल्ड मामले में देश से माफी मांगे पीएम नरेंद्र मोदी: राजेश राम

– ईडी की भूमिका संदिग्ध, हमारे नेताओं को भाजपा के इशारे पर बदनाम करने की रच रहा है साजिश– राजेश राम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना, (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को राजनीतिक द्वेष के तहत फँसाने हेतु केंद्र सरकार के इशारे पर नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा की जा रही दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई को राउज एवेन्यू कोर्ट से संज्ञान लेने से इंकार करने को जीत बताते हुए भाजपा के नीतियों के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध मार्च पटना के आयकर गोलंबर से भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय तक आयोजित हुआ। इस विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में हमारे नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। अदालत ने दोनों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से दोनों के खिलाफ दायर की गई चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। जबकि ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नाहक परेशान करने के लिए

आरोपी बनाया। नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ गांधी परिवार को परेशान करने के लिए है। इस सत्ताधारी भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक बदले की भावना से इस केस को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ईडी को कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। साथ ही बताया था कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के मामलों में दोष सिद्धि की दर 10 प्रतिशत से भी कम है। इसलिए यह केस केवल गांधी परिवार को बदनाम करने और देश में कांग्रेस की छवि को भाजपा के इशारे पर बिगाड़ने के लिए बार बार उठाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में संज्ञान नहीं लेने पर हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और ईडी की भूमिका को संदिग्ध मानते हैं। इसीलिए हम आज विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से हम मांग करते हैं कि वें राजनीतिक विद्वेष में ऐसे मामले दर्ज कराने से बाज आएं और देश से माफी मांगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंक कर कांग्रेस नेताओं ने उनके विरोध में गगनभेदी नारे भी लगाएं। आयकर गोलंबर से आगे पुलिस के द्वारा बलपूर्वक प्रदर्शन को रोक लिया गया। प्रदर्शन में पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, पूर्व विधायक इजहारूल हुसैन, राजेश राठौड़, प्रतिमा कुमारी दास, अमित कुमार टुन्ना, डॉ संजय यादव, डॉ.स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, सौरभ सिन्हा , शशि रंजन, कुमार आशीष, शिशिर कौडिल्य, पंकज यादव, चन्द्र प्रकाश सिंह, शशिकांत तिवारी, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला, सत्येन्द्र कुमार सिंह, गुंजन पटेल,केसर कुमार सिंह, संजय पाण्डेय, संतोष कुमार श्रीवास्तव, सुधीर शर्मा, मृणाल अनामय, मुकुल यादव, राजेन्द्र चौधरी, रंजीत कुमार, रीता सिंह, कुमारी माला, गुरूजीत सिंह, विमलेश तिवारी, नीरज कुमार, अरूण पाठक, विशाल यादव, सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

वेरिफिकेशन के बाद पांच राज्यों में वोटर लिस्ट जारी, एक करोड़ से ज्यादा नाम कटे

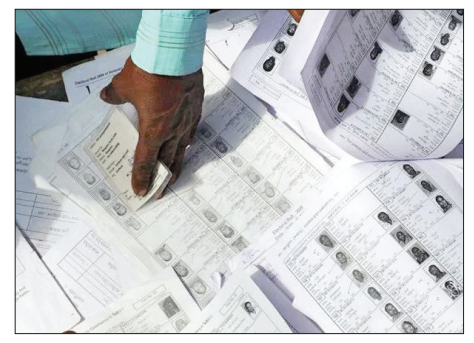

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के कराए गए एसआईआर या सामान्य शब्दों में कहें वोटर वेरिफिकेशन के बाद पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई है। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या में 7.6फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को एसआईआर की घोषणा के समय जहां इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे, वहीं ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। वहीं राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। एसआईआर का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही गोवा और लक्षद्वीप में भी वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशित की जाएगी।

तिरुपति में मुंडन सेवा के लिए कारोबारी ने 1 करोड़ 20 लाख के हाफ ब्लेड दान किए

हैदराबाद (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक खास दान प्राप्त हुआ। हैदराबाद के एक बिजनेसमैन बी श्रीधर ने मंदिर की मुंडन रस्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। बिजनेसमैन श्रीधर ने कल्याणकट्टों (मुंडन केंद्रों) की सालाना जरूरत को पूरा करने के लिए काफी संख्या में हाफ ब्लेड दान कर दिए है। जिनकी कीमत 1.2 करोड़ रुपए के करीब है। मीडया रिपोर्ट में बताया, बिजनेसमैन बी श्रीधर ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 1.2 करोड़ रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर संस्था हर साल भक्तों के बाल मुंडवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लेड पर करीब 1.1 करोड़ रुपए खर्च करती है, जो भगवान को अपने बाल चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकट्टों में रोजाना करीब 40 हजार हाफ ब्लेड इस्तेमाल होते हैं और श्रीधर के दान से मंदिर की पूरे साल की जरूरत पूरी होगी। बता दें कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है, जो विश्व का सबसे धनी हिंदू मंदिर है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर बाल दान करते हैं, जिसे मुंडन सेवा कहा जाता है।

भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रुप में काम कर रही : सीएम शर्मा

बीकानेर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में काम कर रही है। सीएम शर्मा बीकानेर के लूणकरणसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें।

हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट दिया और हर विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ के माध्यम से विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचा रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने दो साल में राज्य में सुशासन, जनकल्याण और बहुमुखी विकास के लिए इ इसतरह के अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो ऐतिहासिक होने के साथ ही समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की एक सशक्त बुनियाद भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसान, युवा, महिला और गरीब के उत्थान के लिए कईकदम उठाए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने 612 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 107 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिविर की सफलता की कहानी तथा 'शहरी सेवा शिविर-2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, सोशल मीडिया पर वायरल अंदर की तस्वीरें

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था फिर सवाल उठ गए है। सोशल मीडिया पर फिर श्रीजगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल हो गई है। बताया जा रहा है कि एक इंटरनेट मीडिया आईडी से रत्नसिंहासन पर विराजमान महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की तस्वीरें साझा की गई हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि फोटों को अत्यंत नजदीक से लिया गया हैं। हैरानी की बात यह है कि कड़ी जांच व्यवस्था के बावजूद मोबाइल फोन मंदिर परिसर के भीतर कैसे पहुंचा, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वायरल तस्वीरों के साथ संबंधित व्यक्ति ने पूरी मंदिर के बाहर अपनी तस्वीरें भी अपलोड की हैं। कुछ दिनों के अंतराल के बाद एक बार फिर श्री जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल होने से मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला न केवल आस्था, बल्कि मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर भी इशारा करता है। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

चंढीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा में गुरुवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस द्वारा बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। पूर्व सीएम एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में हुड्डा ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हरियाणा में 'वोटों की चोरी' करके सरकार बनाई है। कांग्रेस नेता हुड्डा ने दावा किया कि सत्ता हासिल करने के लिए बीजेपी ने चुनाव से पहले अवैध प्रलोभन देने और एक ही व्यक्ति के लिए कई वोट बनाने जैसे हथकंडों का सहारा लिया। इसलिए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसके गलत कामों का सदन में पर्दाफाश किया जाएगा।

गौरव गोगोई ने अटकलों को दिया विराम कहा– एआईयूडीएफ के साथ कांग्रेस नहीं करेगी गठबंधन

गोवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उन तमाम अटकलों को विराम दे दिया, जिसके तहत कहा जा रहा था कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और एआईयूडीएफ गठबंधन करेगी। इस पर गोगोई ने स्पष्ट इनकार करते हुए कहा कि कांग्रेस इस तरह का कोई गठबंधन नहीं करेगी।उन्होंने एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक संगठन बताया और कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पहले ही, आठ विपक्षी दलों ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए अगले साल के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। गोगोई ने यहां पत्रकारों से कहा, ''किसी भी परिस्थिति में एआईयूडीएफ के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गोगोई ने दावा किया, भाजपा पहले ही देख चुकी है कि मौजूदा नेतृत्व में उसके भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं। शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि भाजपा के सच्चे कार्यकर्ता पार्टी से निराश हो रहे हैं।

ममता का बचाव कर अभिषेक ने कहा... झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान

कोलकाता (एजेंसी)। मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान हुई अव्यवस्था और उस पर मची राजनीतिक हलचल ने राज्य का पारा चढ़ा रखा है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के कुंभ मेला और अन्य राज्यों की घटनाओं का उदाहरण देकर पश्चिम बंगाल सरकार का बचाव किया है।

सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में हुई दुर्घटनाओं (जैसे कुंभ और दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़) का जिक्र कर कहा कि वहां किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना के एक घंटे के भीतर माफी मांग ली। उन्होंने इसके लिए एक शेर का उपयोग किया कि झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान है। उनके अनुसार, जवाबदेही तय करना ही टीएमसी की जीत का कारण है। दरअसल मेसी का गोटा टूर 2025 कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अव्यवस्था का शिकार

हो गया था। फुटबाल प्रशंसकों का आरोप है कि मैदान पर वीआईपी और राजनेताओं की अत्यधिक भीड़ के कारण आम दर्शक मेसी को देख नहीं पाए। टिकट खरीदने के बावजूद मेसी की झलक न मिलने पर प्रशंसकों ने स्टेडियम में तोड़फोड़ की। आयोजकों पर सुरक्षा और समन्वय की कमी के गंभीर आरोप लगे। विवाद बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। ममता सरकार में खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने नैतिक जिम्मेदारी लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। घटना की जांच के लिए चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाई गई है। डीजीपी राजीव कुमार को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

पाकिस्तान के कुख्यात डॉन भट्टी ने दी नीतीश को धमकी... हिजाब मामले में माफी मांगे ले

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला के चेहरे से हिजाब खींचने के विवाद में अब पाकिस्तानी डॉन भी कूद गया है। पाकिस्तान के कुख्यात डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो जारी कर धमकी दी है कि सीएम नीतीश माफी मांग लें वरना फिर ये मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी।

दरअसल पटना में नवनियुक्त एक आयुष चिकित्सक तब असहज हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश ने नियुक्ति पत्र प्रदान करने के दौरान उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक हजार से अधिक आयुष

चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे।

नियुक्ति पत्र देने के दौरान जब नुसरत परवीन की बारी आई, जो चेहरे पर हिजाब डाले हुई थीं, तब 75 वर्षीय मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताकर कहा, ÷यह क्या है?÷ इसके बाद मुख्यमंत्री उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घबराई हुई नवनियुक्त चिकित्सक को इसके बाद वहां मौजूद एक अधिकारी ने तुरंत एक ओर कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के बगल में खड़े उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उन्हें रोकने के प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते हुए नजर आए। इस पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने अपना वीडियो जारी कर कहा है कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ। एक बड़े पद पर बैठा व्यक्ति एक मुस्लिम महिला के साथ व्यवहार करता है। फिर बाद में मुझपर आरोप लगाए जाते हैं कि भट्टी ने यह कर दिया, वह कर दिया। उस व्यक्ति के पास अभी भी समय है कि वह उस बच्ची और उस महिला से माफी मांगे। अगर आज माफी नहीं मांगी गई, तब जिम्मेदार संस्थानों को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बाद में यह मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी गई थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शहजाद भट्टी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है।

उत्तर और पूर्वी भारत में घना कोहरा, उड़ानों में देरी की संभावना– मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्से इस समय घने कोहरे की चपेट में हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि दृश्यता कम होने के कारण सड़क और हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार रात को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। इंडिगो ने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ान संचालन में बदलाव किया जा सकता है। एयरलाइन की टीमें एयरपोर्ट पर पूरी तरह तैयार हैं और वे फ्लाइट शेड्यूल को अपडेट करने तथा यात्रियों की मदद के लिए काम कर रही हैं। या ?त्रियों को सलाह दी जाती है ?कि घने कोहरे के कारण सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है, इसलिए समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचें, फ्लाइट की सही टाइमिंग और अपडेट के लिए इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप चेक करें एवं किसी भी असुविधा या जानकारी के लिए एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ से संपर्क करें।

बीजेपी के केंद्रीय मंत्री का दावा... राहुल गांधी और बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच झगड़ा

–बीजेपी का आरोप, कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच विवाद को लेकर दावा किया है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष परिवार से झगड़ा कर विदेश चले गए हैं। फिलहाल, बीजेपी नेता के इन दावों पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके पहले भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस से निकाले गए नेता मोहम्मद मुकीम के पत्र के हवाले से इसतरह का दावा किया था।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू से कांग्रेस के प्रदर्शन की तैयारी पर सवाल पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा, उनके पास लोग हैं प्रदर्शन करने के लिए? उन्हें महात्मा गांधी से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें जो उनका गांधी है, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी, उन्हें उस गांधी से दिक्कत है कि वहां कहां जा रहा है। उन्होंने कहा, लोग उस गांधी को भूल चुके हैं, जो उनके नाम से

जुड़ा हुआ है। उस गांधी को नकार चुके हैं। और बापू गांधी थे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी हैं कहां? अभी मैं उनकी तस्वीरें जर्मनी में देख रहा था। उन्होंने कहा, दोनों गांधी में लड़ाई चल रही है, बड़ी भारी लड़ाई चल रही है। जो मुझे पता लगा है... सदन में जो दो तीन बार जो भाषण हुआ है, उस भी लोगों ने प्रियंका गांधी वाड्रा का जो भाषण है, उसकी तुलना की है। और राहुल गांधी इस चीज से नाराज होकर परिवार और पार्टी से लड़कर यहां से चले गए हैं। उन्होंने कहा, उनकी पार्टी और फैमिली में जो प्रॉब्लम है। इसलिए राहुल गांधी छोड़कर चले गए हैं। बात दें कि इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लिखा था, टीम प्रियंका बनाम टीम राहुल खुलकर सामने आ गया है। कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई है। उन्होंने लिखा, ओडिशा से वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सोनिया गांधी को लिखा कि खरगे हटाओ, प्रियंका लाओ। साथ ही प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं।

धर्मांतरण कानून पर रोक ! राज्यपाल ने लौटा दिया उम्रकैद की सजा वाला बिल

देहरादून (एजेंसी)। जबरन धर्मांतरण के मामलों में सजा का दायरा बढ़ाने से जुड़े उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक 2025 को फिलहाल मंजूरी नहीं मिल सकी है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस विधेयक को पुनर्विचार के संदेश के साथ राज्य सरकार को वापस भेज दिया है। बताया जा रहा है कि विधेयक के मसौदे में कुछ तकनीकी खामियों के कारण यह निर्णय लिया गया। विधायी विभाग को यह विधेयक मंगलवार को प्राप्त हुआ।

सरकार के सामने अब इस विधेयक को लागू करने के लिए सीमित विकल्प रह गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, या तो सरकार अध्यादेश के जरिए इसे प्रभावी बनाए, अथवा अगले विधानसभा सत्र में इसे संशोधनों के साथ दोबारा पारित कराए। धामी सरकार के लिए यह विधेयक काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए जबरन और

छल-बल से होने वाले धर्मांतरण पर सख्ती बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।राज्य में धर्म स्वतंत्रता कानून का इतिहास पहले से रहा है। वर्ष 2018 में पहली बार उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) कानून लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में इसमें संशोधन कर सजाओं को और कठोर बनाया गया। हाल के वर्षों में सामने आए मामलों को देखते हुए सरकार ने 13 अगस्त 2025 को कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर नए संशोधन विधेयक को मंजूरी दी। यह विधेयक 20 अगस्त को गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र में पारित भी हो गया था, जिसके बाद इसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा गया।

सजा और प्रावधानों में बड़े बदलाव

नए विधेयक में छल, दबाव या प्रलोभन से धर्मांतरण कराने पर कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब ऐसे मामलों में कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकेगा, जबकि पहले यह दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित था। सामान्य धर्म परिवर्तन के मामलों में जेल की सजा को बढ़ाकर तीन से दस वर्ष कर दिया गया है, जो पहले दो से सात वर्ष थी। इसके अलावा जिलाधिकारी को गैंगस्टर एक्ट की तर्ज पर संपत्ति कुर्क करने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। विवाह का झांसा देकर, हमला, षड्यंत्र, नाबालिगों की तस्करी, दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों के जरिए धर्मांतरण कराने पर न्यूनतम 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान रखा गया है। ऐसे मामलों में दोषियों पर दस लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

बॉन्डी बीच पर हमला करने वाला साजिद हैदराबाद का रहने वाला

–तेलंगाना पुलिस ने किया खुलासा, रोजगार की तलाश में चला गया था आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के हनुक्का कार्यक्रम में हुए आतंकी हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस हमले में 15 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। भारत से लेकर ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस तक कई एजेंसियां इस आतंकी साजिश के तार खंगालने में जुटी हैं। शुरुआती रिपोर्ट्स में हमलावरों को पाकिस्तानी मूल का बताया था, लेकिन भारत के तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला था और उसने वहीं से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की थी।

वर्ष 1998 में रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चला गया था और बीते करीब 27 सालों से उसका भारत से कोई संबंध नहीं रहा। पुलिस के मुताबिक साजिद ने इस दौरान केवल छह बार भारत आया यहां तक कि पिता के निधन के समय भी वह भारत नहीं आया। तेलंगाना पुलिस ने साफ किया है कि इस हमले के पीछे भारत या तेलंगाना से जुड़ा कोई स्थानीय लिंक नहीं है और कट्टरपंथी विचारधारा के सूत्र विदेश में ही विकसित हुए हैं।

तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था, लेकिन भारत से उसका रिश्ता सीमित था। पुलिस के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद वह केवल छह बार ही भारत आया और वह भी मुख्य रूप से संपत्ति से जुड़े कामों या बुजुर्ग माता-पिता से मिलने के लिए। ऑस्ट्रेलिया में बसने के बाद साजिद ने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की। उनके दो बच्चे हुए, जिसमें एक बेटा नावेद अकरम और एक बेटी है। दोनों बच्चे ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं।

बता दें 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले में साजिद और उसके बेटे नावेद अकरम ने गोलीबारी की। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई और 42 से ज्यादा लोग घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ में साजिद मारा गया, जबकि नावेद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पुलिस हिरासत में है। जांच में सामने आया है कि हमले से कुछ हफ्ते पहले साजिद और नावेद फिलीपींस गए थे। वे 1 नवंबर 2025 को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे और 28 नवंबर को वापस लौटे। उन्होंने मिंडानाओ के दावाओ क्षेत्र की यात्रा की थी, जो पहले आईएस से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए जाना जाता रहा है। बॉन्डी बीच हमला ऑस्ट्रेलिया में पिछले करीब 30 सालों का सबसे बड़ा और सबसे घातक हमला माना जा रहा है।